RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 202 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 17-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विपक्ष से सदाचार की उम्मीद करना बेवकूफी है : योगी आदित्यनाथ

6 अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

7 अब लीक से हटकर फिल्में नहीं बन रही : तापसी पन्नू

फर्स्ट टेक

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में बम विस्फोट

पेशावर/भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में सोमवार को एक पुलिस थाने के पास हुए बम विस्फोट में एक बच्चे सहित कम से कम दो लोगों की मौत हो गई तथा 16 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से सटे बन्नू जिले के मेरियन पुलिस थाने के बाहर खड़े एक ऑटो रिक्शा में रखी विस्फोटक सामग्री में जोरदार धमाका हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए बन्नू जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया। इस धमाके से आसपास के इलाकों में दहशत और डर का माहौल पैदा हो गया है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस टुकड़ियों को भेजा गया है, इलाके की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है तथा पुलिस घटना की जांच कर रही है।

झूठे हलफनामे के लिए कांग्रेस विधायक सुब्बा रेड्डी का चुनाव रद्द

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कांग्रेस विधायक एस. एन. सुब्बा रेड्डी का बागेपल्ली विधानसभा क्षेत्र से 2023 का चुनाव सोमवार को रद्द कर दिया और अदालत ने उनके नामांकन पत्र में अनियमितताओं का हवाला देते हुए परिणाम को अमान्य घोषित किया। न्यायमूर्ति एम. जी. एस. कमल की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाया कि सुब्बा रेड्डी ने अपने नामांकन पत्रों के साथ प्रस्तुत हलफनामे में झूठे और अपूर्ण खुलासे किए थे, जो चुनावी मानदंडों का उल्लंघन है। यह चुनाव याचिका उनके प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार सी. मुनिराजू ने दायर की थी, जिन्होंने तर्क दिया था कि कांग्रेस नेता ने महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा नहीं किया, जो चुनाव कानून के तहत भ्रष्टाचार का मामला है। याचिका को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय ने सुब्बा रेड्डी के चुनाव को रद्द कर दिया, लेकिन मुनिराजू को विजयी उम्मीदवार घोषित नहीं किया।

कराची में इतिहास की सबसे बड़ी डकैती

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची के इतिहास की सबसे बड़ी डकैतियों में से एक में अज्ञात लुटेरे लगभग 30 करोड़ पाकिस्तानी रुपये मूल्य के सोने और हीरे के जेवरात लेकर फरार हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि लुटेरों ने सप्ताहांत की छुट्टी होने के कारण दुकान बंद होने का फायदा उठाकर कराची के मलिर इलाके के पाकिस्तान कॉलोनी क्षेत्र में इस वारदात को अंजाम दिया। अधिकारी ने कहा कि लुटेरे इकबाल ज्वेलरी दुकान की तिजोरी की पिछली दीवार में छेद करके भीतर घुसे।

उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का दौरा किया और परिसर में मिसाइल एकीकरण सुविधा का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने आकाश तृतीय और चतुर्थ रेजिमेंट युद्ध प्रणालियों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और 'माउंटेन फायर कंट्रोल रडार' का अनावरण किया। सिंह ने पुणे में स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एआई) का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन भी किया और औपचारिक रूप से कंपनी की एआई नीति की शुरुआत की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय मंत्री को भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा विकसित एआई-आधारित समाधानों सहित कई उन्नत स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई, जो रक्षा तंत्र में नवाचार और स्वदेशीकरण पर बढ़ते जोर को उजागर करता है। सिंह ने इस बात को स्वीकार किया कि हवाई क्षेत्र रक्षा और ड्रोन-विरोधी अभियानों में विकसित प्रणालियों ने यह प्रदर्शित किया है कि भारत के स्वदेशी समाधान वैश्विक मानकों को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान खतरों को बेअसर करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित वायु रक्षा और ड्रोन रोधी प्रणालियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया था। सिंह ने स्टार्टअप उद्यमियों और युवा वैज्ञानिकों से भी बातचीत की और उन्हें अधिक से अधिक उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने अंतिम चरण में : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि देश में आने वाले वर्षों में तीन नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद आपराधिक मामलों में दोषसिद्धि की दर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने अंतिम चरण में है और इस साल मार्च तक इस खतरे को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाएगा। शाह ने कहा कि न्याय पर आधारित तीन नए आपराधिक कानून पिछले 11 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक हैं, जो आने वाले कुछ वर्षों में पूरी तरह से लागू होने के बाद मामलों के निपटारे और दोषसिद्धि की दर को बढ़ाने में मदद करेंगे। गृह मंत्री तीन नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) का जिक्र कर रहे थे - जिन्होंने एक जुलाई, 2024 को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और 'इंडियन एविडेंस एक्ट' (भारतीय साक्ष्य अधिनियम) की जगह थी।

'ओलचिकी' लिपि को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कोशिशें होनी चाहिए : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि संथाली भाषा की लिपि 'ओलचिकी' को संरक्षित करने और उसको बढ़ावा देने की कोशिश की जानी चाहिए। 'ओलचिकी' लिपि के सौ साल पूरे होने के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए, मुर्मू ने इस बात पर खुशी जताई कि यह लिपि डिजिटल माध्यम में बढ़ रही है।

पंडित रघुनाथ मुर्मू ने 1925 में 'ओलचिकी' लिपि तैयार की थी। तब से, यह संथाल पहचान का एक मज़बूत प्रतीक बन गई है। इसे 2003 में संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था।

अपने भाषण में, मुर्मू ने भारत को 'कई भाषाओं का बगीचा' बताया, और बातचीत में अपनी मातृभाषा का इस्तेमाल करने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि 'ओलचिकी' लिपि को संरक्षित करने और बढ़ावा देने की कोशिश की जानी चाहिए। इससे पहले, डॉ. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के 'भीम हॉल' में एक सैन्य बैंड ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। बैंड ने सबसे पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की धुन बजाई, जिसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' प्रस्तुत किया गया।

लोक कलाकारों के एक समूह ने संथाली भाषा में गाने गाए, जिसके बाद संथाली नर्तकों के एक अन्य समूह ने एक ऐसे विषय पर प्रस्तुति दी।

एआई से उत्पन्न गलत सूचना लोकतंत्र के लिए खतरा : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को एआई उपकरणों के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिये तैयार की गई गलत सूचना में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने की ताकत है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री ने कहा कि एआई छात्रों और शिक्षकों के लिए सीखने की प्रक्रिया को काफी बेहतर बना सकता है।

महिला गिग वर्कर अन्याय का शिकार, भाजपा सरकारें आंख मूंदे हुए हैं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि महिला गिग वर्कर अन्याय और शोषण का सामना कर रही हैं, लेकिन केंद्र और कई प्रदेशों की भाजपा सरकारें आंख मूंदकर बैठी हुई हैं। उन्होंने पिछले दिनों अपने 'जनसंसद' कार्यक्रम में महिला गिग वर्कर के एक समूह से मुलाकात कर उनके मुद्दों को लेकर बातचीत की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पिछले कुछ महीनों से समाज के अलग-अलग वर्ग के लोगों से मुलाकात कर रहे हैं, जिन्हें उन्होंने 'जनसंसद' नाम दिया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''कुछ दिन पहले जनसंसद में गिग वर्कर्स के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात हुई। बातचीत से साफ़ हुआ कि गिग अर्थव्यवस्था के फ़ायदे मज़दूरों तक पहुंचाने के लिए मज़बूत और ज़िम्मेदार सरकारी कार्रवाई ज़रूरी है।'' उनका कहना है, ''आज गिग वर्कर के पास न स्थिर आय है, न सामाजिक सुरक्षा, न चिकित्सा/बीमा जैसी बुनियादी सुविधाएं। कार्य-जीवन संतुलन टूटा हुआ है और बुनियादी मानवीय सम्मान भी छिन रहा है।'' राहुल गांधी ने दावा किया, ''महिला गिग वर्कर दोहरे शोषण का शिकार हैं, आर्थिक असुरक्षा के साथ-साथ सम्मान और सुरक्षा का अभाव। सहयोग देने के बजाय उनसे श्रम की गरिमा छीनी जा रही है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''इस व्यवस्था में वर्ग और जाति आधारित भेदभाव गहराई से जुड़ा है। गिग वर्क क्षेत्र में बड़ी संख्या में दलित-आदिवासी समुदायों के श्रमिक हैं, जिनके साथ शोषण और बढ़ जाता है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकारें इस अन्याय पर आंख मूंदे हैं तथा न मज़बूत क़ानून है, न सामाजिक सुरक्षा, न ही गिग कंपनियों की जवाबदेही है।

रोहित शेट्टी के घर पर गोलीबारी के मामले में शूटर समेत छह आरोपी गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर गोलीबारी करने के आरोप में कथित शूटर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस के जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ ने रविवार रात हरियाणा और राजस्थान से कथित शूटर दीपक शर्मा और इस मामले में संलिप्त पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को मुंबई लाया गया है। पुलिस के अनुसार 31 जनवरी और एक फरवरी दरमियानी रात बारह बज कर करीब 45 मिनट पर शेट्टी के नौ मंजिला आवासीय टावर पर पांच गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली इमारत में स्थित एक जिम के शीशे पर जा लगी। इन हालिया गिरफ्तारियों के साथ पुलिस अब तक इस मामले में कुल 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो' का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम मेधा (एआई) पर यहां 'भारत मंडपम' में आयोजित प्रदर्शनी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो' का सोमवार को उद्घाटन किया।

इस प्रदर्शनी में 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप भाग ले रहे हैं। इसके साथ 13 देशों के मंडप भी स्थापित किए गए हैं, जो एआई क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रदर्शनी का उद्घटान करने के बाद इसमें हिस्सा ले रही स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉल पर जाकर कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

उन्होंने कंपनी के प्रतिनिधियों से उनके द्वारा प्रदर्शित उत्पादों के बारे में सवाल पूछे। प्रधानमंत्री ने प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए विभिन्न स्टॉल पर कई मिनट बिताए।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। नवोन्मेषकों, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकी प्रेमियों के बीच रहकर एआई, भारतीय प्रतिभा और नवाचार की असाधारण क्षमता की झलक मिलती है। हम मिलकर ऐसे समाधान तैयार करेंगे जो न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए उपयोगी होंगे।

17-02-2026 सूर्यास्त 6:26 बजे	18-02-2026 सूर्योदय 6:41 बजे
BSE 83,277.15 (+650.39)	NSE 25,682.75 (+211.65)
सोना 16,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 237,085 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कानून का धर्म

धर्मों पंथों के विविध रूप,
जिनके मानक होते अनेक।
आस्था के अपने विविध रंग,
मर्यादा जिसकी रखे टेक।
आवश्यक इन पर विधि अंकुश,
जन खो सकते भ्रम में विवेक।
धर्मों के हैं अपने विधान,
पर संविधान का धर्म एक।।

भारी भीड़, लंबी कतारों के बीच 'भारत मंडपम' में एआई सम्मेलन का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन सोमवार को भारी भीड़ और लंबी कतारों के बीच यहां 'भारत मंडपम' शुरू हुआ। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, संस्थापक और विशेषज्ञ शामिल होंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में सम्मेलन के प्रतिनिधियों, वक्ताओं और मेहमानों के स्वागत के लिए बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। सम्मेलन के सुबह साढ़े नौ बजे से काफी पहले ही भारत मंडपम के बाहर लंबी कतारें लग गईं, जो इस विषय और सम्मेलन में लोगों की गहरी रुचि को दर्शाता है। वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज सुंदर पिचाई, सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दारियो अमोडेई के सत्र बुधवार से पहले शुरू नहीं होंगे। शिखर सम्मेलन के अंतिम दो दिन 19 और 20 फरवरी को दुनिया के 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख हिस्सा लेंगे। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा शामिल होंगे।

पीटीआई के संवाददाताओं की टीम ने मौके पर देखा कि विभिन्न सत्रों के लिए हॉल के बाहर लंबी कतारें लगी हुई थीं। हालांकि, कुछ व्यवस्थागत समस्याएं थीं, लेकिन सम्मेलन व्यवस्थित और अच्छी तरह से आयोजित किया गया है। साथ ही, कई समानांतर सत्र एक ही समय में हो रहे हैं जिसके कारण सभी हॉल पूरी तरह भर चुके हैं। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में 3,250 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक सत्र होंगे। एक उत्साही प्रतिभागी ने कहा, सत्र पूरी तरह भरे हुए हैं। लंबी कतारें लगी हैं और जैसे ही हॉल भर जाते हैं, दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं, जिससे बाहर इंतजार कर रहे लोगों को परेशानी होती है। किसी सत्र से दूसरे सत्र में ऐसे आसानी से नहीं जा सकते, आपको पहले से ही पहुंचना होता है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि वक्ताओं की रोचक सूची ने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया है।

आयोजकों ने कहा कि पंजीकरण अपेक्षाओं से अधिक हुए हैं, जो एआई बुनियादी ढांचे, व्यवसाय में एआई अपनाने और देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। एआई के युग में रोजगार के भविष्य, कौशल विकास, बड़े पैमाने पर सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, एआई शासन और बुनियादी ढांचा, जनरेटिव एआई के उपयोग, और सार्वजनिक क्षेत्र में एआई के मामलों पर पैनल चर्चाओं में इतनी भीड़ हुई कि सभी खड़े होकर ही सत्र सुन सके। प्रतिभागी सत्रों के बीच गलियारों में खड़े होकर अपने विचार साझा कर रहे थे।

साथ ही, सम्मेलन के दौरान एआई एक्सपो का भी आयोजन किया गया है, जहां प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां जैसे गूगल, एनवीडिया, अमेज़न, मेटा, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और भारत की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने एआई नवाचार को प्रदर्शित कर रही हैं। यह एक्सपो एआई के बदलाव और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है और इसमें 300 से अधिक प्रदर्शनियां, 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं। इसके अलावा, एक्सपो में पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भी जोर दिया गया है। यह शिखर सम्मेलन भारत को न केवल अपनी विस्तृत प्रौद्योगिकी की अच्छी समझ वाली जनसंख्या और इंजीनियरिंग प्रतिभा को दिखाने का अवसर देता है, बल्कि वैश्विक दक्षिण देशों के लिए एआई तक समान पहुंच सुनिश्चित करने का अवसर भी प्रदान करता है। सिर्फ एआई तक व्यापक पहुंच ही नहीं, भारत'ग्लोबल एआई कॉमन्स' पर अंतरराष्ट्रीय समझौता भी करने की कोशिश कर सकता है, यानी ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई के उपयोग के मामलों का एक साझा भंडार तैयार करना जिसे सभी के साथ साझा किया जा सके।

ब्रिटेन ने 2023 में पहला 'एआई शिखर सम्मेलन' आयोजित किया था, जिसमें एआई सुरक्षा और गंभीर जोखिमों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इसके बाद फ्रांस में 2025 में आयोजित अगले संस्करण में प्रौद्योगिकी में बड़े निवेशों की घोषणाएं की गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह अवसर है कि वह भारत के प्रभावशाली डिजिटल बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी क्षमता को प्रदर्शित कर सकें, जिसने ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों को देश में संचालन स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है।

जनवरी में बेरोजगारी दर मामूली बढ़कर पांच प्रतिशत पर : सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के बीच बेरोजगारी दर जनवरी महीने में थोड़ा बढ़कर पांच प्रतिशत हो गई, जो दिसंबर, 2025 में 4.8 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी एक सरकारी सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली।

नवीनतम आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि बेरोजगारी दर में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दर्ज की गई।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बयान में कहा कि श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) एवं श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में गिरावट और बेरोजगारी दर में वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी कारणों से हुई। आधिकारिक बयान के मुताबिक, फसल कटाई के बाद कृषि गतिविधियों में स्वाभाविक सुस्ती, निर्माण, कृषि-संबद्ध कार्य, परिवहन एवं छोटे व्यापार जैसे क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान सुस्ती रहने और कुछ श्रमिकों का अस्थायी रूप से काम की तलाश न करना इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, एनएसओ ने स्पष्ट किया कि शहरी क्षेत्रों में श्रम बाजार की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रही। विस्तृत आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण बेरोजगारी दर दिसंबर के 3.9 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी में 4.2 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में यह दर 6.7 प्रतिशत से बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गई।

स्त्री-पुरुष विभाजन के आधार पर देखें तो 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर जनवरी में स्थिर रही। इसके उलट, इस आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर दिसंबर की तुलना में बढ़ गई।

हालांकि, एनएसओ ने कहा कि महिला बेरोजगारी दर अप्रैल से दिसंबर, 2025 के दौरान दर्ज दायरे के भीतर ही बनी हुई है। यह दर्शाता है कि यह वृद्धि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का परिणाम है, न कि श्रम बाजार की संरचनात्मक कमजोरी का। कुल आबादी में से काम कर रहे या काम की तलाश में जुटे लोगों का अनुपात यानी एलएफपीआर जनवरी में घटकर 55.9 प्रतिशत रहा, जबकि दिसंबर में यह 56.1 प्रतिशत था। ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर 59.0 प्रतिशत से घटकर 58.7 प्रतिशत पर आ गया। शहरी क्षेत्रों में यह 50.3 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो दिसंबर के 50.2 प्रतिशत के लगभग बराबर है। महिला श्रम बल भागीदारी दर जनवरी में 35.1 प्रतिशत रही। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 39.7 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 25.5 प्रतिशत दर्ज की गई।

चंद्रबाबू नायडू ने बिल गेट्स को आंध्र प्रदेश सरकार की कई पहल से अवगत कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने व्हाट्सऐप के जरिये सरकारी सेवाओं तक लोगों को पहुंच प्रदान करने, संजीवनी परियोजना और राजधानी अमरावती से जुड़ी विकास परियोजनाओं सहित राज्य सरकार की कई पहल से माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को सोमवार को अवगत कराया। राज्य सचिवालय में 'रियल टाइम गवर्नेंस सिस्टम' (आरटीजीएस) पर प्रस्तुति के दौरान मुख्यमंत्री ने गेट्स को बताया कि राज्य ने 'डेटा लेक' के माध्यम से सभी विभागों को एकीकृत किया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ''गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स ने मुख्यमंत्री नायडू के साथ सचिवालय में आरटीजीएस का दौरा किया। गेट्स ने शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को देखा। नायडू ने उन्हें बताया कि कैसे नागरिक सेवाएं तेजी से प्रदान की जा रही हैं और 'रियल टाइम गवर्नेंस' के जरिये क्या परिणाम हासिल हुए हैं।'' नायडू ने बताया कि सरकार 'अवेयर 2.0' प्लेटफॉर्म के माध्यम से वास्तविक समय में जानकारी एकत्रित कर त्वरित निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार यह जानने के लिए जनता की राय लेती है कि वह जिन कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू कर रही है, वे कितनी प्रभावी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का अनुमान नियमित रूप से मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर लगाया जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि भूमि अभिलेखों की सुरक्षा के बारे में गेट्स द्वारा पूछे जाने पर नायडू ने बताया कि संगठित डिजिटल अभिलेख प्रणाली के साथ-साथ पारदर्शिता के लिए क्यूआर कोड का उपयोग किया जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार गेट्स ने कहा कि ''कर संग्रह का तरीका बहुत अच्छा है'', जिस पर नायडू ने बताया कि जीएसटी के माध्यम से पूरे देश में कर संग्रह में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। इसके अलावा, गेट्स को चित्तूर जिले के कुप्पम में गेट्स फाउंडेशन के साथ मिलकर संचालित किए जा रहे स्वास्थ्य अभिलेख डिजिटलीकरण कार्यक्रम 'संजीवनी' के बारे में भी जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में कहा गया कि इसी तरह, उन्होंने देखा कि रक्त शर्करा, मधुमेह और अन्य चिकित्सा परीक्षणों जैसे मापदंडों को कैसे दर्ज किया जा रहा है, और उन्होंने संजीवनी परियोजना के सुचारू क्रियान्वयन की सराहना की। नायडू ने एआई के उपयोग से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और 'बायो-डिजाइन' के माध्यम से सेवाओं के वितरण के बारे में भी जानकारी दी। गेट्स ने कहा कि सस्ती मेडिकल जांच गरीबों के लिए लाभकारी होगी। इसके अलावा, नायडू ने गेट्स को ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती से जुड़ी विकास परियोजनाओं से अवगत कराया।

अहमदाबाद और वडोदरा के 34 स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल फर्जी निकले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/वडोदरा/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा के 34 स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद परिसरों को खाली करा लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ये ईमेल फर्जी निकले, क्योंकि अहमदाबाद और वडोदरा के 17-17 स्कूलों में से किसी में भी कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया, जिन्हें खालिस्तान समर्थक होने का दावा करने वाले व्यक्तियों से बम की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाले दस्तों (बीडीडीएस) को शामिल करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया गया।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (एसओजी) राहुल त्रिपाठी ने बताया कि अहमदाबाद के 17 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए। उन्होंने बताया, ''यह फर्जी ईमेल निकला। बीडीडीएस और एसओजी दलों ने इन स्कूलों के परिसरों में गहन तलाशी ली और कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया।'' वडोदरा के पुलिस उपायुक्त (अपराध) हिमांशु वर्मा ने बताया कि वडोदरा में 17 स्कूलों को ईमेल के जरिए मिली बम की धमकी फर्जी निकली। उन्होंने बताया, ''हम ईमेल के स्रोत का विश्लेषण कर रहे हैं। यह एक छोटा सा ईमेल था जिसमें दो-तीन पंक्तियां थीं, जिनमें खालिस्तान के प्रति समर्थन व्यक्त किया था और एक निश्चित समय पर बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। यह ईमेल वडोदरा के सभी स्कूलों को भेजा गया था।'' पुलिस के अनुसार, जिन संस्थानों को निशाना बनाया गया, उनमें अहमदाबाद के डीएवी इंटरनेशनल स्कूल, एशिया स्कूल, अंकुर इंटरनेशनल स्कूल और संत कबीर स्कूल, वडोदरा के डी आर अमीन स्कूल, उर्मी स्कूल, बड़ौदा हाई स्कूल और डॉन बॉस्को शामिल हैं। इससे पहले 23 जनवरी को अहमदाबाद के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले इसी तरह के ईमेल मिले, जो बाद में फर्जी पाए गए थे।

मप्र सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर 1.01 करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश सरकार ने उज्जैन के शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर 1.01 करोड़ रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन के महान शासक की स्मृति में 21 लाख रुपए के राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार और 5-5 लाख रुपए के तीन राज्य स्तरीय पुरस्कारों की भी घोषणा की।

उज्जैन में विक्रमोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यादव ने कहा, सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने और उनके शौर्य, न्याय व प्रजावत्सल आदर्शों को अमर बनाने के लिए उनकी स्मृति में एक करोड़ एक लाख रुपए का सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय अलंकरण सम्मान शुरू किया जाएगा। यह देश का सबसे प्रतिष्ठित अलंकरण भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा। यादव ने कहा कि विक्रमोत्सव की ख्याति तेजी से बढ़ रही है और यह प्रसन्नता का विषय है कि वर्ष-2024 के विक्रमोत्सव को एशिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन का पुरस्कार मिला। ज्ञात हो कि विक्रमोत्सव-2025 को ईमैक्सम ग्लोबल अवार्ड द्वारा 'लांगस्टैंडिंग आईपी ऑफ द इयर' से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष और आने वाले समय में भी विक्रमोत्सव उत्सवधर्मी सांस्कृतिक पहचान को दुनिया में स्थापित करेगा। यादव ने कहा कि विक्रमादित्य का शासनकाल दुनिया भर में शिक्षा, विज्ञान, ज्योतिष और साहित्य के स्वर्ण युग के रूप में प्रसिद्ध है।

एआई की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए ठोस प्रतिबद्धता जरूरी : नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी को व्यापक रोजगार क्षमता के साथ जोड़ने की स्पष्ट प्रतिबद्धता जरूरी है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 को ऑनलाइन संबोधित करते हुए में नागेश्वरन ने कहा कि देशों को बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने, उच्च गुणवत्ता वाले कौशल विकसित करने, श्रम-प्रधान सेवा क्षेत्रों का विस्तार करने और नियामकीय अड़चनों को दूर करने जैसे निर्णायक कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि एआई को अपनाने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण जरूरी है और यह 'टीम इंडिया' का प्रयास होना चाहिए जिसमें निजी क्षेत्र, शिक्षाविदों व नीति-निर्माताओं की समान भागीदारी हो। उन्होंने कहा, '' अभी अवसरों की खिड़की खुली है लेकिन यह अनिश्चित काल तक नहीं रहेगी। हमें अभी कदम उठाने होंगे।'' सीईए ने एआई अपनाने में तात्कालिकता की जरूरत पर जोर दिया।

नागेश्वरन ने कहा, '' भारत के लिए यह काम के भविष्य पर बहस नहीं है बल्कि वृद्धि एवं सामाजिक स्थिरता के भविष्य का फैसला है।'' उन्होंने कहा कि दूरदर्शिता, संस्थागत अनुशासन और निरंतर क्रियान्वयन के साथ भारत मानव संसाधन की वास्तविक प्रचुरता दिखाने वाला पहला बड़ा समाज बन सकता है।

नागेश्वरन ने कहा कि हर साल लाखों नौकरियां उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन कौशल का बड़ा अंतर बना हुआ है और कार्यबल का केवल छोटा हिस्सा ही औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर पाया है। उन्होंने कहा, ''यह अंतर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, यह एक संरचनात्मक कमजोरी है।''

छोटे उद्यमों के लिए समय पर कर्ज उपलब्धता में सुधार लाना प्राथमिकता : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्तीय संस्थानों से समय पर और पर्याप्त कर्ज उपलब्धता में सुधार करना केंद्रीय बैंक की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है।

केंद्रीय बैंक के संबंधित पक्षों के साथ निरंतर बैठकों के तहत, मल्होत्रा ने चुनिंदा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। आरबीआई के बयान के अनुसार, मल्होत्रा ने देश के आर्थिक परिदृश्य में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो जीडीपी, निर्यात और आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा एमएसएमई के लिए वित्तीय संस्थानों से समय पर और पर्याप्त ऋण की उपलब्धता में सुधार करना रिजर्व बैंक की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है।

आरबीआई गवर्नर ने केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक की तरफ से इस क्षेत्र के लिए उठाये गए विभिन्न नीतिगत और नियामकीय कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने एमएसएमई को संगठित रूप अपनाने, ऋण अनुशासन बनाए रखने और डिजिटल भुगतान को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे दीर्घकालिक रूप से मजबूत और प्रतिस्पर्धी बन सकें।

गुजरात में बेमौसमी बारिश से प्रभावित 33 लाख किसानों को 9,610 करोड़ रुपए दिए गए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल बेमौसमी बारिश से प्रभावित 33 लाख से अधिक किसानों को विशेष कृषि राहत पैकेज के तहत 9,610 करोड़ रुपए का भुगतान किया है।

बजट सत्र के पहले दिन राज्य विधानसभा में अपने अभिभाषण में देवव्रत ने सरकार के प्रौद्योगिकी-संचालित प्रशासन में तब्दील होने और कृषि क्षेत्र में की गई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत गुजरात में 69 लाख से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में कुल 22,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि अंतरित की गई है।

देवव्रत ने कहा, राज्य सरकार ने पिछले साल बेमौसमी बारिश के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए एक बड़ा राहत पैकेज घोषित किया था, जिसके तहत 33 लाख से अधिक प्रभावित किसानों को 9,610 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। देवव्रत ने कहा, राज्य सरकार ने रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिए गुजरात प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड की स्थापना की है और दुनिया का पहला प्राकृतिक कृषि विश्वविद्यालय स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि 19 लाख से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जुड़ी तकनीकों में प्रशिक्षित किया गया है और आठ लाख से ज्यादा किसानों ने प्राकृतिक खेती से संबंधित पद्धतियां अपनाई हैं।

राज्यपाल ने कहा, राज्य भर में लगभग 7,100 आदर्श खेत बनाए गए हैं। डांग जिले को (खेती के मामले में) पूरी तरह से रसायन-मुक्त घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित पहल लागू की हैं। देवव्रत ने कहा, शासन प्रदर्शन सूचकांक को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री डैशबोर्ड शुरू किया गया है। आई-ओआरए और गरवी-2.0 जैसे पोर्टल के जरिये भूमि संबंधी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे नागरिकों के लिए सरल, त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने के लिए नए जिलों और तालुकों के निर्माण के साथ प्रशासनिक विकेंद्रीकरण को प्राथमिकता दी गई है।

रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए देवव्रत ने कहा, राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले एक साल में 30,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे गए हैं। दो लाख से अधिक पदों को चरणबद्ध तरीके से भरने के लिए 10 साल की भर्ती योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि 'गुजरात कर्मयोगी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के तहत सरकारी कर्मचारियों को 10 लाख रुपए तक के 'कैशलेस' इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है।

सांस्कृतिक पहल का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले के 1,000 साल पूरे होने की याद में किया गया था, जो हमारे सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में करमसाद से 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' तक आयोजित मार्च का भी उल्लेख किया।

देवव्रत ने कहा कि आदिवासियों के योगदान का सम्मान करने के लिए 2025 को 'जनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा, 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप, राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में समावेशी एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

कर्नाटक की चार अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़/मंडया/बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ और मंडया कोडगु तथा बेंगलूरु दक्षिण की जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद सोमवार को व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर धारवाड़, मंडया जिलों, बेंगलूरु दक्षिण और कोडगु जिलों में अदालत परिसरों से वकीलों और कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने परिसर को घेर लिया और गहन जांच की। व्यापक तलाशी अभियान के बाद संबंधित जिलों की पुलिस ने इसे ''फर्जी ईमेल'' करार दिया, क्योंकि इनमें से किसी भी अदालत में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

पुलिस के अनुसार, बेंगलूरु दक्षिण में दोपहर लगभग 12:35 बजे जिला अदालत में एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि अदालत परिसर में 12 आरडीएक्स बम रखे गए हैं। हालांकि, पुलिस द्वारा बम निरोधक और श्वान दस्ते के साथ गहन तलाशी अभियान चलाने के बाद यह ईमेल फर्जी निकला।

पुलिस ने बताया कि इसी तरह मदिकेरी स्थित कोडगु जिला अदालत में भी बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ था, जो फर्जी निकला। धारवाड़ में पुलिस अधीक्षक गुंजन आर्य ने मौके पर पहुंचकर उच्च न्यायालय परिसर का निरीक्षण किया। पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया और एहतियात के तौर पर भवन को खाली करा लिया। पुलिस के अनुसार, बम निरोधक दस्ता भी मौके पर पहुंचा और जांच में सहयोग किया।

मंडया में भी बम धमकी वाले ईमेल के बाद अदालती कार्यवाही स्थगित कर दी गई। न्यायाधीशों, वकीलों और वादियों को परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि संबंधित जिला पुलिस ने इस संबंध में मामले दर्ज कर लिये हैं और ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है, ताकि इसमें शामिल दोषियों को पकड़ा जा सके।

इजराइली महिला से दुष्कर्म और एक व्यक्ति की हत्या के मामले में तीन पुरुषों को मौत की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कर्नाटक की एक अदालत ने तीन लोगों को जिले में पिछले साल एक इजराइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न करने और एक युवक की हत्या करने के जुर्म में सोमवार को मौत की सजा सुनाई। गंगावती सिविल कोर्ट ने अपने फैसले में दोषियों– मल्लेश उर्फ हांडी मल्ला, शरणबसवा और चैतन्य साई को सजा सुनाई। अदालत ने सात फरवरी को उन्हें दोषी पाया था और फैसला 16 फरवरी के लिए सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह जघन्य अपराध छह मार्च 2025 को सनापुर के पास हुआ था।

इजराइली मूल की महिला के यौन शोषण की घटना के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरने के बाद जिले के पर्यटन पर गहरा प्रभाव पड़ा। अभियोजक नागलक्ष्मी ने पत्रकारों को बताया कि होमस्टे की मालिक द्वारा पर्यटकों– महाराष्ट्र के पंकज, ओडिशा के बिभास, अमेरिका के डेनियल और इजराइल की एक महिला को गंगावती ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत तुंगभद्रा नहर के पास सनापुर में रात लगभग 10:30 बजे ले जाया गया था।

उन्होंने बताया कि तभी तीनों आरोपी मोटरसाइकिल पर वहां पहुंचे और पैसों को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। अभियोजक ने बताया कि महिला से दुष्कर्म करने के इरादे से दोषियों ने तीनों पुरुषों को नहर में धकेल दिया। उन्हें बाहर आने से रोकने के लिए उन्होंने उन पर पत्थर फेंके। बाद में उन्होंने होमस्टे की मालकिन और इजराइली महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। नागलक्ष्मी ने कहा, ''बिभास कुमार की नहर में डूबने से मौत हो गई। पंकज को तैरना नहीं आता था लेकिन डेनियल ने उसे बचा लिया।''

उन्होंने आगे बताया कि महिलाओं से दुष्कर्म करने के बाद आरोपी उनके मोबाइल फोन, नकदी और एक कैमरा लेकर फरार हो गए। नागलक्ष्मी ने कहा, यह सामूहिक दुष्कर्म, हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और जबरन वसूली का मामला था। इसलिए न्यायाधीश सदानंद नागप्पा नाइक ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत उन्हें मृत्युदंड दिया। सामूहिक दुष्कर्म के लिए न्यायालय ने उन्हें अंतिम सांस तक कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि आरोपी अपील कर सकते हैं।

बैठक

बेंगलूरु में सोमवार को विधानसभा के कान्फ्रेन्स हॉल में सत्ताधारी पार्टी के अनुसूचित जाति केविधायकों के साथ` 2026–27 के बजट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। इस बैठक में अनुसूचित जाति के मंत्री और विधायक, आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज़ और वित्त विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

6 मार्च को प्रस्तुत होगा बजट

बेंगलूरु। कर्नाटक की 16वीं विधानसभा के 9वें सत्र का निरंतर सत्र 6 मार्च को सुबह 10.15 बजे बेंगलूरु के विधान सौधा स्थित विधानसभा हॉल में आयोजित होगा। कर्नाटक विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या 6 मार्च को सुबह 10:15 बजे वर्ष 2026–27 का बजट पेश करेंगे। सरकारी कार्यक्रम 9, 10, 11, 16, 17, 18, 23, 24, 25 और 27 मार्च को होंगे। सरकारी/निजी कार्यक्रम 12 और 26 मार्च को होंगे। 7 और 20 मार्च को कोई कार्यक्रम नहीं होगा। 8, 14, 15, 21 और 22 मार्च को सार्वजनिक अवकाश रहेंगे।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष ने विजय की पार्टी की नीतियों पर उठाए सवाल

मदुरै। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने अभिनेता–राजनेता विजय की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम के पास कोई स्पष्ट नीति नहीं है। नागेंद्रन ने सवाल उठाया कि क्या विजय की पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में जनता से संपर्क करने की कोई ठोस नीति रखती है।

ರೇಷ್ಮೆ ಇಲಾಖೆ
ರೇಷ್ಮೆ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕರ ಕಛೇರಿ, ಆನೇಕಲ್ ವಿಭಾಗ, ಆನೇಕಲ್.
ಫೋನ್ ನಂ.: 9964649654, e-mail : seriadsanekal@gmail.com
ಸಂ:ರೇಸನಿ/ಆದ್ವಿಬಿ/ಕೃಕ್ಷೇ/ಕೊ.ಬಾ/ಪ್ರಕಟಣೆ/05/2024-25 ದಿನಾಂಕ: 12.02.2026
ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ
ಈ ಮೂಲಕ ಸಾರ್ವಜನಿಕರ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ ತಿಳಿಯಪಡಿಸುವುದೇನೆಂದರೆ 2025–26ನೇ ಸಾಲಿಗೆ ಕೇಂದ್ರ ರೇಷ್ಮೆ ಮಂಡಳಿಯು ಅನುಮೋದಿಸಿರುವಂತೆ ಕೇಂದ್ರ ಹಾಗೂ ರಾಜ್ಯದ ಪಾಲಿನ ಅನುದಾನ (50:50) ಸಹಯೋಗದೊಂದಿಗೆ ಅನುಷ್ಠಾನಗೊಳಿಸುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಡಿ ಸರ್ಕಾರಿ ರೇಷ್ಮೆ ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರ, ಕುಂಬಾರಹಳ್ಳಿ ಉಪಯೋಗಕ್ಕಾಗಿ ಕೊಳವೆ ಬಾವಿ ಮತ್ತು ಪ್ಯಾನೆಲ್ ಬೋರ್ಡ್ ಪುನಃಶ್ಚೇತನಕ್ಕೆ ಆಸಕ್ತರು ಕಚೇರಿ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ಟೆಂಡರ್ ಅರ್ಜಿ ಫಾರಂನ್ನು ಪಡೆದು ಭಾಗವಹಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ. ಟೆಂಡರ್ ಲಕೋಟೆಗಳನ್ನು ಸಲ್ಲಿಸಲು ದಿನಾಂಕ: 21.02.2026ರಂದು ಸಂಜೆ 3.00 ಗಂಟೆ ಕೊನೆಯ ದಿನವಾಗಿದ್ದು, ದಿನಾಂಕ: 21.02.2026ರಂದು ಬೆಳಿಗ್ಗೆ 5.00 ಗಂಟೆನಂತರ ತೆರೆಯಲಾಗುವುದು. ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಕಚೇರಿ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದು ಅಥವಾ ಮೊಬೈಲ್ ಸಂಖ್ಯೆ 9964649654 ಗೆ ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದು.
ಸಹಿ/– ರೇಷ್ಮೆ ಸಹಾಯಕ ನಿರ್ದೇಶಕರು ಆನೇಕಲ್ ವಿಭಾಗ, ಆನೇಕಲ್.
ವಾಸಾಸಂಇ/ವಾಪ್ರ/5673/ಶಿರಡಿ ಸಾಯಿ/2025–26

ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು
ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ
ನಂ.1 ಕಟ್ಟಡಗಳ ವಿಭಾಗ, ಎಸ್.ಜೆ.ಪಿ. ಆವರಣ, ಬೆಂಗಳೂರು.
ದೂರವಾಣಿ: 080–22255210
ಸಂಖ್ಯೆ: ಕಾಅ/ಕವಿ.1/ಶಾ.ಭ–ಸಕಾನಿಅ–2&ಸಕಾನಿಅ–4/2025–26/79 ದಿನಾಂಕ: 13.02.2026
ಟೆಂಡರ್‌ಗಾಗಿ ಆಹ್ವಾನ (ಐಎಫ್‌ಟಿ)
ಕಾರ್ಯನಿರ್ವಾಹಕ ಅಭಿಯಂತರರು, ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ ನಂ.1, ಕಟ್ಟಡಗಳ ವಿಭಾಗ, ಬೆಂಗಳೂರು ಇವರು ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಕಾಮಗಾರಿಗಳಿಗಾಗಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಕೆಪಿಪಿ ಪೋರ್ಟಲ್ ಮೂಲಕ ಅರ್ಹ ಬಿಡ್‌ದಾರರಿಂದ ಟೆಂಡರ್ ಆಹ್ವಾನಿಸಿರುವರು. (https://kppp.karnataka.gov.in). ಟೆಂಡರ್ ದಸ್ತಾವೇಜುಗಳನ್ನು ಕೆಪಿಪಿ ಪೋರ್ಟಲ್ ಮೂಲಕ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಕೊನೆಯ ದಿನಾಂಕ: 20.02.2026, 16.00 ಗಂಟೆಯೊಳಗೆ. ಕೆಪಿಪಿ ಪೋರ್ಟಲ್‌ನ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳ ಅನ್ವಯ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ತೆರೆಯಲಾಗುವುದು.
ಕಾಮಗಾರಿಗಳ ವಿವರಗಳು ಇಂತಿವೆ: ಶಾಸಕರ ಭವನ–2 , 3 ನೇ ಹಂತ ಇಲ್ಲಿ ಕೊಠಡಿ ಸಂಖ್ಯೆ 157–158 ಇವುಗಳಿಗೆ ಪೈಂಟಿಂಗ್ ಮಾಡುವುದು ಪಾಲಿಷಿಂಗ್ ಮಾಡುವುದು, ನೆಲಹಾಸು ಹಾಕುವುದು, ಕಿಟಕಿಗೆ ಮೆಶ್ ಹಾಕುವುದು, ಶೌಚಾಲಯದಲ್ಲಿ ಫಿಟ್ಟಿಂಗ್‌ಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸುವುದು, ಸ್ನಾನಗೃಹದಲ್ಲಿ ಟೈಲ್ಸ್‌ಗಳನ್ನು ಹಾಕುವುದು ಹಾಗೂ ಇತರೆ ಸಂಬಂಧಿತ ಸಿವಿಲ್ ಕಾಮಗಾರಿಗಳು ಸೇರಿದಂತೆ ವಿವಿದೆಡೆ ಒಟ್ಟು 66 ವಿವಿಧ ಕಾಮಗಾರಿಗಳು.
ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ: ಕನಿಷ್ಠ ರೂ. 1.98 ಲಕ್ಷಗಳು. ಗರಿಷ್ಠ :ರೂ. 24.19 ಲಕ್ಷಗಳು
ಇಎಂಡಿ: ಕನಿಷ್ಠ ರೂ. 5,000/– ಮತ್ತು ಗರಿಷ್ಠ ರೂ. 50,000/–. ಇತರೆ ಮಾಹಿತಿಗಳನ್ನು ಟೆಂಡರ್ ದಸ್ತಾವೇಜುಗಳಲ್ಲಿ ನೋಡಬಹುದು.
ವಾಸಸಂಇ/ಉನಿ–ಸಿ.ಪಿ/5665/ಕೆಎಸ್‌ಎಂಸಿಎ/2025–26 ಸಹಿ/–ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು.

आरएसएस पर टिप्पणी को लेकर कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे और भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर टिप्पणी को लेकर कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के बीच सोमवार को तीखी बहस हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाए। भाजपा नेता बेंगलूरु में खरगे द्वारा रविवार को की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। खरगे ने आरएसएस पर धनशोधन में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए इसकी आय के स्रोत पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था, ''आरएसएस का 2,500 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है ये लोग उनसे पैसे लेते हैं। मैं बता रहा हूँ कि ये लोग धनशोधन में शामिल हैं।''

खरगे ने पूछा कि ''संगठन अपंजीकृत क्यों है और क्या यह कानून या संविधान से ऊपर'' है। पलटवार करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मंत्री प्रियंक खरगे, पहले यह सुनिश्चित करें कि कांग्रेस पार्टी का पंजीकरण रद्द न हो, जिसकी अध्यक्षता आपके पिता कर रहे हैं और जो राजनीतिक मानचित्र से अपना अस्तित्व खोने के कगार पर है। उसके बाद ही अन्य के पंजीकरण की चिंता करें।''

क्षेत्रीय विकास के मुद्दे पर मंत्री को निशाना बनाते हुए विजयेंद्र ने कहा कि खरगे परिवार ने कल्याण–कर्नाटक को भारत के मानचित्र पर सबसे पिछड़े क्षेत्रों में से एक बनाने के अलावा कुछ भी योगदान नहीं दिया है। शिकारीपुरा से विधायक ने पूछा, मंत्री बनने के बाद प्रियंक खरगे ने कल्याण–कर्नाटक के विकास में क्या योगदान दिया है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने भी मंत्री पर हमला करते हुए कहा, कल्याण– कर्नाटक की जनता के आशीर्वाद से चार दशकों तक सत्ता का आनंद लेते हुए, विकास के मामले में 'कल आना' का बोर्ड लगाकर बैठे रहने वाले, कल्याण–कर्नाटक की जनता के साथ विश्वासघात करने वाले लोग ज्यादा दिन नहीं टिकेंगे – हिसाब का दिन दूर नहीं है।'' अशोक ने कहा, ''आरएसएस को गाली देना आसमान पर थूकने जैसा है।''

सोमवार को जवाब देते हुए, खरगे ने अपनी टिप्पणियों का बचाव किया और कल्याण– कर्नाटक के मुद्दे पर भाजपा के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, ''कल्याण–कर्नाटक एक पिछड़ा क्षेत्र है। यदि आप यह समझ पाते कि इस क्षेत्रीय असंतुलन के ऐतिहासिक और भौगोलिक कारण हैं, तो भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार अनुच्छेद 371जे के तहत विशेष दर्जा देने से इनकार नहीं करती।'' खरगे ने पूछा, ''भाजपा में इस पिछड़े क्षेत्र को आगे बढ़ाने की इच्छाशक्ति की कमी क्यों है? आपकी सरकार के कार्यकाल में केकेआरडीबी का आवंटन क्यों कम हो गया?''

उन्होंने विजयेंद्र पर भी निशाना साधते हुए कहा, ''क्या आपके पिता बी.एस. येडीयुरप्पा चार बार मुख्यमंत्री नहीं रहे थे? शिवमोग्गा का विकास सिंगापुर की तरह क्यों नहीं हुआ?'' खरगे ने कहा, ''सांप्रदायिकता रोधी कार्यबल का गठन रंगोली डिजाइन बनाने के लिए नहीं, बल्कि सांप्रदायिक संघर्षों को रोकने और शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए किया गया था।''

रक्षा मंत्री ने भव्य भारत भूषण पुरस्कार प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां ईशा योग केंद्र में महाशिवरात्रि समारोह के दौरान विशिष्ट राष्ट्र निर्माताओं के एक समूह को पहले भव्य भारत भूषण पुरस्कार प्रदान किए। ये नवस्थापित पुरस्कार विज्ञान, कला, खेल और सैन्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति में योगदान देने दिग्गजों को सम्मान देने के उद्देश्य से शुरू किए गए हैं। इन पुरस्कारों की शुरुआत ईशा फाउंडेशन ने की है।

रक्षा मंत्री ने कहा, इन क्षेत्रों के दिग्गजों को यह सम्मान दिए जाने के साथ–साथ, ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के सम्मान में हमारी सशस्त्र सेनाओं के तीनों सैन्य संगठन को भी सम्मानित किया गया, जिनमें पश्चिमी वायु कमान, सेना की दक्षिणी कमान और पश्चिमी नौसेना कमान शामिल हैं। व्यक्तिगत रूप से, इससे मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हुआ।

उन्होंने कहा कि संस्कृति और विज्ञान को अक्सर अलग माना जाता है, लेकिन भारत में ये हमेशा से एक–दूसरे के पूरक रहे हैं। उन्होंने कहा, ''संस्कृति केवल महज रीति–रिवाज नहीं है, यह हमारी जीवनशैली है।'' ईशा फाउंडेशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने कहा कि ये पुरस्कार प्रतिवर्ष सात प्रमुख श्रेणियों में दिए जाएंगे, जिनमें कॉर्पोरेट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल और संस्कृति शामिल हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी श्रेणी के तहत नम्बी नारायण और किरण कुमार को भारत की प्रौद्योगिकी प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पुरस्कार दिया गया।

कला और संस्कृति क्षेत्र में शास्त्रीय नृत्यांगना अलार्मेल वल्ली, वायलिन वादक एन राजम और इतिहासकार विक्रम संपत को सम्मानित किया गया। खेल क्षेत्र में बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी साइना नेहवाल को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सेना की तीनों शाखाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया, जिनमें पश्चिमी वायु कमान के एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, दक्षिणी कमान के लेफ्टिनेंट जनरल ए वी एस राठी और पश्चिमी नौसेना कमान के वाइस एडमिरल आर वी गोखले शामिल हैं।

विहिप ने आरएसएस पर 'धन शोधन' वाली टिप्पणी के लिए मंत्री प्रियंक खरगे की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/बेंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को कर्नाटक के कांग्रेस मंत्री प्रियंक खरगे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर धन शोधन में लिप्त होने का आरोप लगाने की कड़ी आलोचना की और दावा किया कि ऐसे बयान देशभक्त संगठनों का अपमान करने तथा देशभक्तों को बदनाम करने की रणनीति का हिस्सा हैं। खरगे ने रविवार को बेंगलूरु में एक कार्यक्रम में आरएसएस के 2,500 से अधिक संगठनों के ''नेटवर्क'' का हवाला दिया, जो अमेरिका और इंग्लैंड से हैं, और आरोप लगाया कि ये लोग धन शोधन में लिप्त हैं।

विहिप के राष्ट्रीय संगठनात्मक सचिव मिलिंद परांडे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के बयान देने वालों की समाज में स्वीकार्यता कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''वे (ऐसी टिप्पणियों के जरिए) अपनी विश्वसनीयता बढ़ाने और तुष्टीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन दोनों ही प्रयास कामयाब नहीं होंगे। भारत में कई ताकतें और लोग हैं जिन्हें हिंदुत्व के जागृत होने से आपत्ति है। वे इस तरह की बेतुकी बातें कर रहे हैं। ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करना और देशभक्त संगठनों का अपमान करना उनके बौद्धिक दिवालियापन को दर्शाता है।''परांडे ने कहा, ''इससे समाज में उनकी स्वीकार्यता कम हो जाएगी। उन्होंने (खरगे ने) जो कहा वह सरासर झूठ है और वह खुद भी यह जानते हैं। लेकिन वह देशभक्तों को बदनाम करने की रणनीति के तहत ऐसा करते हैं। कर्नाटक की जनता को सोचना चाहिए कि क्या ऐसे लोगों को सत्ता में वापस लाया जाना चाहिए। इसलिए विश्व हिंदू परिषद हमेशा इस बात पर जोर देती है कि केंद्र और राज्यों में सत्ता में वही लोग होने चाहिए जो हिंदुओं के हितों में विश्वास रखते हों।'

लाँच

भारत, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और सिंगापुर में स्थित थेल्स की पांच वैश्विक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं में शामिल हो गया है। बेंगलूरु स्थित इंजीनियरिंग कॉम्पिटेंस सेंटर में थेल्स रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी इंडिया का शुभारंभ, भारत–फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 की भावना को दर्शाता है और यह इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान आयोजित किया गया है। यह उपलब्धि भारत में अनुसंधान को आगे बढ़ाने, उन्नत प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका निभाने और सहयोगात्मक नवाचार को बढ़ावा देने के लिए थेल्स की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। लॉन्च समारोह में कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे, बेंगलूरु में फ्रांस के महावाणिज्यदूत मार्क लैमी, ला फ्रेंच टेक की निदेशक जूली ह्यूगेट, एआई इम्पैक्ट समिट वीक और भारत–फ्रांस नवाचार वर्ष के शुभारंभ के लिए भारत आए फ्रांसीसी तकनीकी प्रतिनिधिमंडल के गणमान्य व्यक्ति और भारतीय उद्योग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। थेल्स के नेतृत्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष और समूह मुख्य तकनीकी अधिकारी बर्नहार्ड क्वेंडट और भारत के उपाध्यक्ष अंकुर कनागलेकर तथा अन्य टीम सदस्य उपस्थित थे।

प्रगत संगणन विकास केंद्र
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
सीडैक CDAC

हमसे जुड़ें
हम भर्ती कर रहे हैं
प्रतिभाओं की खोज
रोमांचक और चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए

वैज्ञानिक और तकनीकी पद

• परियोजना सहयोगी
(नवागत / अनुभवी)
• वरिष्ठ परियोजना अभियंता / परियोजना नेतृत्वकर्ता / मॉड्यूल नेतृत्वकर्ता
(न्यूनतम ४ वर्षों का अनुभव)
योग्यता
1. बीई/बीटेक या समकक्ष डिग्री
2. विज्ञान/ कंप्यूटर अनुप्रयोग या प्रासंगिक डोमेन में स्नातकोत्तर डिग्री

• परियोजना अभियंता
(नवागत / अनुभवी)
• परियोजना प्रबंधक / परियोजना वितरण प्रबंधक / प्रोग्राम प्रबंधक / ज्ञान सहभागी(नॉलेज पार्टनर)
(न्यूनतम ९ वर्षों का अनुभव)
योग्यता
1. एम.ई./एम.टेक या समकक्ष डिग्री
2. पीएच.डी.

*उपरोक्त पदों के बारेमे अधिक जानकारी के लिए सी-डैक वेबसाइट देखिए।

• परियोजना सहायक
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 1 या अधिक वर्षों का अनुभव)
योग्यता
कंप्यूटर विज्ञान / ईलेक्ट्रॉनिक्स / आईटी / कंप्यूटर अनुप्रयोग क्षेत्र में स्नातक डिग्री

• परियोजना तकनीशियन
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम ४ या अधिक वर्षों का अनुभव)
योग्यता
१.आईटीआई/ एनसीवीटी की प्रासंगिक तकनीकी क्षेत्र में प्रमाणपत्र
२.अभियांत्रिकी डिप्लोमा (प्रासंगिक डोमेन में)

*उपरोक्त पदों के बारेमे अधिक जानकारी के लिए सी-डैक वेबसाइट देखिए।

गैर-तकनीकी पद

• परियोजना सहायता स्टाफ
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 0 - 3 या अधिक वर्षों का अनुभव)
योग्यता
1. कम से कम 50% अंकों के साथ स्नातक
2. पोस्ट ग्रेजुएट

• परियोजना अधिकारी
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम 0 - 3 या अधिक वर्षों का अनुभव)

• (कार्य) सहयोगी
(शैक्षिक योग्यता के आधार पर न्यूनतम ४ या अधिक वर्षों का अनुभव)

योग्यता
1. सीए / एलएलएम/ सीएस/सीएमए
2. प्रासंगिक क्षेत्र में दो साल का पूर्णकालिक एमबीए / प्रासंगिक क्षेत्र में स्नातकोत्तर पेशेवर योग्यता / इंटर सीए / इंटर सीएमए

*उपरोक्त पदों के बारेमे अधिक जानकारी के लिए सी-डैक वेबसाइट देखिए।

भारत में विभिन्न स्थलों के लिए
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि – 20 फ़रवरी 2026
विस्तृत विज्ञापन और आवेदन करने के लिए www.cdac.in के CAREERS पृष्ठ पर जाएं।

ADVT.NO.CORP/JIT/01/2026 cbc06132/12/0025/2526 कार्पोरेट मानव संसाधन विकास

राष्ट्रीय उन्नति के लिए प्रौद्योगिकी उन्नति

भिवाड़ी में अवैध पटाखा फैक्टरी में आग से सात मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी कस्बे में सोमवार को पटाखे बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे में सात लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित्रा पारीक ने बताया, इस घटना में सात लोगों की मौत हुई है। इस गारमेंट फैक्टरी में अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि फैक्टरी में फंसे दो लोगों को निकालकर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह हादसा भिवाड़ी के खुशखेड़ा-करोली औद्योगिक क्षेत्र में हुआ। पारीक ने कहा, परिसर को गारमेंट फैक्टरी के लिए किराए पर लिया गया था, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार इसमें अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस को घटना की जानकारी नियमित गश्त के दौरान मिली, इसके बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन को तुरंत राहत और बचाव का काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने वन मंत्री संजय शर्मा को अलवर पहुंचने का निर्देश दिया। वन मंत्री दोपहर बाद मौके पर पहुंचे और प्रभावित फैक्टरी का दौरा किया। संजय शर्मा ने अधिकारियों को विस्तृत जांच करने और भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सभी औद्योगिक इकाइयों की जांच का अभियान चलाने का निर्देश भी दिया।

वन मंत्री ने कहा, भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में सभी औद्योगिक इकाइयों की जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई होगी। इससे पहले, घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी अर्तिका शुक्ला और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शुक्ला ने मामले की जांच के आदेश दिए। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार फैक्टरी में 20 से अधिक लोग मौजूद थे। आग लगते ही कुछ मजदूर बाहर निकलने में सफल रहे जबकि नौ लोग अंदर फंस गए। इनमें से सात की मौत हो गई। डेढ़ घंटे से अधिक समय बाद आग पर काबू पाया जा सका।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें आग लगने से पहले एक जोरदार धमाका होता दिख रहा है। फैक्टरी परिसर से बारूद, पटाखे और पैकिंग बॉक्स मिले हैं। शव बुरी तरह जले हुए थे और कई लोगों के सिर्फ कंकाल मिले। बचाव टीमों ने कई लोगों के बिखरे हुए शरीर के अंगों को पॉलिथीन की थैलियों में इकट्ठा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे के शिकार हुए लोग बिहार के थे और पास में किराए के घरों में रह रहे थे। फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जयपुर में कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को तुरंत सभी राहत कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा में 'प्वाइंट आफ इन्फोर्मेशन' के जरिए मुद्दे को उठाया और घायलों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराने व भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सात लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स'पर मोदी के हवाले से कहा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना, दुखद और बेहद अफसोसजनक है। मोदी ने कहा, जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताते हुए जांच की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी मजदूरों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

राज्य वन मंत्री ने लिया हालात का जायजा

जयपुर। खुशखेड़ा-भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में हुई फैक्ट्री अग्नि दुर्घटना के बाद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात राज्य मंत्री अस्पताल पहुंचे और वहां मोर्चरी जाकर स्थिति देखी। राज्य मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को घटना से प्रभावित सभी व्यक्तियों को आवश्यक सहायता एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई थी पति की हत्या; दोनों गिरफ्तार

जयपुर। अनूपगढ़ जिले के गांव चार जेडडब्ल्यूएम में एक महीने पहले हुई 32 वर्षीय युवक भजनलाल की हत्या उसकी ही पत्नी ने अपने प्रेमी और एक नाबालिग के साथ मिल कर कराई थी। पुलिस ने यह खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों को पकड़ लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी इंद्रा देवी ने अपने प्रेमी प्रभुदयाल और एक नाबालिग के साथ मिलकर 16 जनवरी को अपने पति भजनलाल की हत्या की। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि इंद्रा देवी ने अपने प्रेमी प्रभुदयाल के साथ मिलकर पति की हत्या का षड्यंत्र रचा और भजनलाल जब घर से मोटरसाइकिल से किसी काम के लिए निकला तो इंद्रा देवी ने अपने प्रेमी प्रभुदयाल को फोन करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रभुदयाल ने एक नाबालिग के साथ मिलकर भजनलाल को रास्ते में रोका और लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उसे अधमरा कर दिया। इसके बाद प्रभुदयाल ने रस्सी से उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी और शव तथा उसकी मोटरसाइकिल को इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दो फरवरी को फलोदी क्षेत्र में नहर से भजनलाल का शव मिला। भजनलाल के पिता कृष्ण लाल ने अपने बेटे की हत्या का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी इंद्रा देवी और उसके प्रेमी प्रभुदयाल को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है।

राजस्थान में छह हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रियाधीन : दिलावर

जयपुर। राजस्थान में छह हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रियाधीन है जिनमें से 773 पद विज्ञान संकाय के हैं। राज्य सरकार ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रश्नकाल में कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में छह हजार 146 व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रियाधीन है और इन पदों में 773 पद विज्ञान संकाय के हैं। दिलावर ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तथा विभागीय पदोन्नति समिति के माध्यम से पात्र आशार्थियों की पदोन्नति के उपरांत रिक्त पदों को भरा जा सकेगा। उन्होंने विधायक हरलाल सहारण के प्रश्न के उत्तर में बताया कि नीति आयोग के निर्देशानुसार उच्च माध्यमिक स्तर के कम से कम 33 प्रतिशत विद्यालयों में विज्ञान संकाय संचालित होना आवश्यक है।

पंच गौरव योजना से निखर रहा आमेर का पर्यटन वैभव, सैलानियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच एवं पर्यटन को प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप पंच गौरव योजना के तहत एक जिलाएक पर्यटन स्थल के रूप में चयनित आमेर दुर्ग में सैलानियों के लिए व्यापक सुविधा विस्तार कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन जयपुर द्वारा पर्यटन विभाग एवं संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आमेर दुर्ग में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाया जा रहा है ताकि यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को विश्वस्तरीय अनुभव प्राप्त हो सके।

अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि आमेर दुर्ग प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली प्रतीक है, जहां प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक भ्रमण के लिए आते हैं। पर्यटकों की सुविधा और विरासत संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा पंच गौरव योजना अंतर्गत 89 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। महिला पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मानसिंह महल एवं दीवाने-आम में बेबी फीडिंग रूम का निर्माण किया जा रहा है। दलाराम बाग एवं रामबाग के फव्वारों तथा रपटों के नियमित संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिससे परिसर की सुंदरता और आकर्षण में वृद्धि होगी।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि पेयजल आपूर्ति को व्यवस्थित एवं संरक्षित करने के उद्देश्य से माधोसिंह थान की ओर बड़ी पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सम्पूर्ण महल परिसर में सुचारु जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा लीकेज एवं सीपेज से ऐतिहासिक संरचना को सुरक्षित रखा जा सकेगा। रात्रिकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सुख निवास एवं मानसिंह महल में सौम्य प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है ताकि पर्यटक शाम के समय भी दुर्ग की भव्यता का आनंद ले सकें। साथ ही सनसेट प्वाइंट एवं कपल वेडिंग फोटो साइट का विकास कर आमेर को आकर्षक पर्यटन एवं डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में भी स्थापित किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार, ब्रांडिंग एवं विपणन गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 में आमेर दुर्ग एवं सम्पूर्ण आमेर कस्बे में डिजिटल म्यूजियम, आधुनिक साइनेज, उन्नत लाइटिंग एवं सुव्यवस्थित पार्किंग जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं के विकास हेतु 50 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है, जिससे आमेर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान मिलेगी।

महाशिवरात्रि पर जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में पुजारियों और पुलिस में विवाद, तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महाशिवरात्रि के दौरान जयपुर के ऐतिहासिक ताड़केश्वर महादेव मंदिर में पुजारियों और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद होने से तनाव की स्थिति पैदा हो गई। मंदिर के पुजारियों और स्वयंसेवकों के अनुसार, रविवार रात मंदिर परिसर में तीखी बहस और हाथापाई हुई, जिससे उत्सव का माहौल बिगड़ गया। पुजारियों ने आरोप लगाया कि माणक चौक थाने के एक उप-निरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के बहाने बेल्ट और जूते पहनकर गर्भगृह में प्रवेश कर गए, जो मंदिर के नियमों का उल्लंघन है। उनका आरोप है कि इस दौरान श्रद्धालुओं से भी अभद्रता कर धक्का-मुक्की की गई।

पुजारियों का आरोप है कि जब पुलिसकर्मियों को मंदिर के नियमों का पालन करने को कहा गया तो बहस शुरू हो गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। मंदिर के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर आरोपी उप-निरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर सोमवार सुबह हवामहल के विधायक बालमुकुंद आचार्य मंदिर पहुंचे। पुजारियों ने उपनिरीक्षक को निलंबित करने की मांग की है।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि आरोपी उपनिरीक्षक के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिल चुकी हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। पुजारियों ने उपनिरीक्षक को निलंबित करने के लिए चार घंटे का समय दिया है और कार्रवाई नहीं होने पर मंदिर बंद करने की चेतावनी दी है।

वृहद स्तर पर मनाया जाए राजस्थान दिवस : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा है कि इस बार राजस्थान दिवस (19 मार्च 2026) को पर्यटन तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भव्य रूप से आयोजित किया जाए। जिसमें राज्य की विभिन्न कलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग द्वारा जयपुर में कला एवं संस्कृति आधारित एक दिवसीय चिंतन शिविर का बड़े स्तर पर आयोजन किया जावे। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग प्रवीण गुप्ता, आयुक्त पर्यटन श्रीमती रुक्मणि रियाड़ की उपस्थिति में सोमवार को सचिवालय में पर्यटन विभाग तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें उन्होंने उक्त निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने राईजिंग राजस्थान में पर्यटन विभाग के प्रदर्शन की जानकारी ली और राजस्थान पर्यटन को आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान पर्यटन विभाग ने बेहतरीन उपलब्धियां हासिल की हैं। सोशल मीडिया पर राजस्थान पर्यटन की विजिबिलिटी अच्छी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन के साथ यहां की कला, साहित्य एवं संस्कृति अत्यंत महत्वपूर्ण है जो सम्पूर्ण विश्व को अपनी ओर आकर्षित करती है। मुख्य सचिव ने राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राजस्थान पर्यटन विभाग के लिए कार्य किया जाना गर्व की बात है। आप सब इस पर गर्व करने के साथ ही और अधिक ऊर्जा से कार्य करें।

मुख्य सचिव ने राज्य के कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्थान की संस्कृति बहुत समृद्ध है। इस राज्य के सांस्कृतिक वैभव और समृद्ध साहित्य और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य की भाषा, साहित्य, कला से सम्बंधित प्रत्येक अकादमी वर्ष में कम से कम एक बड़ा आयोजन करें। मुख्य सचिव ने कहा कि हमारी समृद्ध कला संस्कृति और साहित्य के संरक्षण और बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कला साहित्य एवं संस्कृति आधारित एक दिवसीय चिंतन शिविर जयपुर में बड़े स्तर पर आयोजित किया जावे, जिसमें वे उपस्थित रहेंगे।

उच्च शिक्षा को अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है राजस्थान सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नवाचार, तकनीक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे युवाओं का रोजगार प्राप्ति के साथ ही चरित्र निर्माण भी हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा उसे और अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा ने यहां 'अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमताओं का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण में करने के लिए अपनी अहम भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को ऐसी शिक्षा चाहिए, जो परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम हो तथा जहां वेदों के ज्ञान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ हो, संस्कृत के श्लोकों के साथ कोडिंग की भाषा हो तथा योग और ध्यान के साथ रोबोटिक्स और नैनो प्रौद्योगिकी भी हो।

राज्य सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। युवाओं को सही शिक्षा, कौशल और मार्गदर्शन देकर इस ताकत का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को पाने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, आज हमारे युवा स्टार्टअप, अनुसंधान, खेल, कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया में देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। हमें उनकी रचनात्मकता को पंख देते हुए उनके सपनों को साकार करने के लिए मार्ग दिखाना है, जिससे वे वैश्विक नागरिक रहते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार उच्च शिक्षा में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है तथा सरकार युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के भरपूर अवसर भी प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया था और पेपर लीक के अनेक प्रकरण हुए थे। लेकिन मौजूदा सरकार के कार्यकाल में 351 परीक्षाएं आयोजित की गई हैं तथा एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि इस समागम का उद्देश्य है कि संस्थागत सहयोग, नेतृत्व विकास एवं नीति निर्माण के माध्यम से 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को गति मिले। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' की सरकार मुख्यमंत्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में उच्च शिक्षा में कौशल विकास एवं व्यावहारिक ज्ञान पर बल दे रही है।

अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदेशी महिला यात्री को कुत्ते ने काटा

जयपुर/दक्षिण भारत । जयपुर अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल-2 पर रविवार दोपहर एक कुत्ते ने दिल्ली से यहां पहुंची विदेशी महिला यात्री को काट लिया जिससे उसके पैर से खून निकलने लगा। वहां मौजूद लोगों ने महिला को तुरंत संभाला और हवाई अड्डा प्रबंधन को इसकी सूचना दी। इसके बाद महिला को निजी अस्पताल ले जाया गया। हवाई अड्डा प्रबंधन ने बताया कि विदेशी महिला यात्री बेट-एल नूरियल दोपहर दो बजे दिल्ली से जयपुर पहुंची थी। एक अधिकारी ने बताया कि 37 वर्षीय नूरियल इजराइल से भारत घूमने आई हैं और उनके साथ एक अन्य विदेशी यात्री भी था। नूरियल हवाई अड्डे से बाहर निकल रही थी, तभी आगमन क्षेत्र के द्वार के बाहर एक कुत्ते ने उनपर हमला किया।

उन्होंने बताया कि कुत्ते ने महिला के पैर पर काट लिया, जिससे उसके पांव से खून बहने लगा जिसके बाद आस-पास मौजूद यात्रियों ने शोर मचाकर कुत्ते को भगाया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद हवाई अड्डा कर्मचारियों ने मौके पर प्राथमिक उपचार दिया और घायल महिला को तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया गया और उन्हें इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हवाई अड्डा प्रबंधन के मुताबिक, कुत्ते का पहले ही टीकाकरण किया जा चुका है और इस वजह से खतरे की कोई बात नहीं है।

जयपुर अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहले भी कई बार कुत्तों द्वारा यात्रियों को काटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद हवाई अड्डा परिसर में आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। हवाई अड्डा प्रबंधन का कहना है कि दिशा-निर्देशों के तहत कुत्तों को पकड़कर दूसरी जगह नहीं छोड़ा जा सकता।

आरएलएसडीसी का काम आगे बढ़ाए भाजपा सरकार : अशोक गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की 'राजस्थान लॉजिस्टिक सर्विस डिलीवरी कॉर्पोरेशन' (आरएलएसडीसी) की घोषणा को अटकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने राज्य सरकार से आरएलएसडीसी का गठन कर काम आगे बढ़ाने की मांग की है। गहलोत ने सोमवार एक बयान में कहा हमारी (तत्कालीन) कांग्रेस सरकार ने राज्य के लाखों ठेका कर्मियों को शोषण से मुक्त कराने के लिए 'राजस्थान लॉजिस्टिक सर्विस डिलीवरी कॉर्पोरेशन' (आरएलएसडीसी) के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था।

उन्होंने कहा कि इस निगम का मुख्य उद्देश्य प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत हजारों कार्मिकों को पूरा मानदेय और ईपीएफ-ईएसआई जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करना था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार ने कई अन्य जनहित की घोषणाओं की तरह ही इस घोषणा को भी अटका दिया है।

विपक्ष से सदाचार की उम्मीद करना बेवकूफी है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा हंगामा किए जाने की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे न सिर्फ प्रदेश के संवैधानिक प्रमुख का बल्कि एक नारी का भी अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा की ओर से किया गया हंगामा न सिर्फ लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के दायरे में भी आता है।

मुख्यमंत्री ने विधानपरिषद में अपने संबोधन में कहा कि विपक्ष से सदाचार की अपेक्षा करना 'बेवकूफी' होगी। योगी ने नौ फरवरी को विधानमंडल के समवेत सदन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल सपा के सदस्यों द्वारा किए गए हंगामे का जिक्र करते हुए कहा, ''ऐसा करके न सिर्फ प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख का, बल्कि एक नारी का भी अपमान हुआ है। यह न केवल लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के दायरे में भी आता है।'' उन्होंने कहा, ''यह हम सब का दायित्व बनता है कि हम अपने राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करें। संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत संवैधानिक प्रमुखों के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें तथा कोई ऐसा आचरण न करें जो

देश की भावी पीढ़ी को गलत दिशा की ओर अग्रसर करे। खैर, जिस प्रकार का प्रतिपक्ष है, उनसे इसकी अपेक्षा करना अपने आप में एक बेवकूफी होगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि एक महिला राज्यपाल के प्रति इस प्रकार का अभद्र व्यवहार समाजवादी पार्टी की वास्तविक सोच और प्रतिपक्ष के नकारात्मक दृष्टिकोण को भी प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपराध और अव्यवस्था से अनुशासन, कर्फ्यू से कानून के राज, उपद्रव से उत्सव और समस्या से समाधान, अविश्वास से आत्मविश्वास की यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि आज देश और दुनिया भी इस बात को स्वीकार करती है कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है।

योगी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा, ''दुर्भाग्य से अपने संकुचित एजेंडा को लेकर चलने वाली सरकारों ने प्रदेश के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। पहचान का संकट खड़ा किया। प्रदेश को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया। कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। जिसको हम भारत के शाश्वत मूल्य की आधार भूमि मानते हैं, उस उत्तर प्रदेश में किस तरह की अव्यवस्था थी यह हम सब ने देखा है।'' भारतीय जनता पार्टी के नेता ने दावा करते हुए कहा, ''लेकिन आज मैं कह सकता हूं कि 'डबल इंजन' की सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नियत, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण आज हम लोगों ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के समक्ष बाधाओं को दूर कर उसे गति देने में सफलता प्राप्त की है और हमने राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की स्थिति हासिल की है।''

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नीतिगत उदासीनता, प्रशासनिक अस्थिरता और विकास विरोधी सोच थी, उसे आज प्रदेश ने अनुशासन, निर्णायक नेतृत्व, स्पष्ट नीति और शुद्ध नियत से नए रूप में प्रस्तुत करने का कार्य किया है।

राहुल गांधी को सदन के कामकाज में रुचि नहीं : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तवांग/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद के सुचारू संचालन में कोई दिलचस्पी नहीं है और कुछ गैर सरकारी संगठनों ने उन्हें सिखा-पढ़ा दिया है कि उनकी पार्टी के ''अच्छे दिन'' आएंगे, इसीलिए वह सदन को बाधित कर रहे हैं।

रीजीजू ने यह भी कहा कि सरकार संसद में स्थिति को शांत करने के लिए कांग्रेस को ''मनाने' के वास्ते कोई और कदम नहीं उठाएगी क्योंकि वह (रीजीजू) सदन के सुचारू संचालन के लिए कई प्रयास कर चुके हैं लेकिन उनका कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने यहां 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा, '' राहुल गांधी को सदन की कार्यवाही में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें सिर्फ मुद्दे बनाने में दिलचस्पी है। राहुल गांधी को कुछ गैर सरकारी संगठनों ने सिखाया-पढ़ाया है कि तुम्हारा समय आएगा, लेकिन उनका समय नहीं आएगा। अगले चुनाव में (लोकसभा में) उनकी सीट और भी कम हो जाएंगी।''

रीजीजू अपने लोकसभा क्षेत्र अरुणाचल पश्चिम के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को विपक्ष द्वारा सदन बाधित किए जाने से कोई समस्या नहीं है, वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल और कुछ अन्य लोगों से बात करने सहित स्थिति को शांत करने के कई प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने कहा, '' हम कांग्रेस को मनाने के लिए कुछ भी अतिरिक्त नहीं करेंगे। कांग्रेस हताश है क्योंकि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। वे स्थिति को बदलने के लिए बेताब हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में कांग्रेस पर छोटी पार्टियों का दबाव है कि वह सदन को बाधित न करे क्योंकि इससे उनका बोलने का समय बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा, '' पूरा विपक्ष कांग्रेस के साथ नहीं है। छोटी पार्टियां अपने-अपने दलों के समय का सदुपयोग नहीं कर पा रही हैं। छोटी पार्टियां राहुल गांधी से नाखुश हैं। उनमें से कुछ ने तो अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर भी नहीं किए हैं।'' रीजीजू ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के कुछ सदस्य उनसे लगातार कह रहे थे कि वे चाहते हैं कि सदन का कामकाज जारी रहे।

नीतीश ने योजना के तहत 25 लाख महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रुपए हस्तांतरित किए

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 25 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपए हस्तांतरित किए। इस योजना का उद्देश्य स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने अपने आधिकारिक आवास '1 अणे मार्ग' पर आयोजित कार्यक्रम में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 2,500 करोड़ रुपए की राशि वितरित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सितंबर 2025 में बिहार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की थी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक लगभग 1.81 करोड़ महिलाएं दस-दस हजार रुपए प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं ने इस राशि का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए किया है, उन्हें जल्द ही दो लाख रुपए और मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने हाल ही में घोषणा की थी कि बिहार सरकार ने इस योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ओडिशा में जातिगत विवाद समाप्त: बच्चे आंगनवाड़ी केंद्र लौटे, दलित सहायिका के हाथों बना भोजन खाया

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिला स्थित एक गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में तीन महीने से जारी जातिगत विवाद सोमवार को उस वक्त समाप्त हो गया, जब अगड़ी जाति के बच्चों ने उक्त केंद्र में एक दलित महिला सहायिका द्वारा पकाया गया खाना खाया।

नामांकित 20 बच्चों में से 16 बच्चे अपने माता-पिता के साथ गलीमाला ग्राम पंचायत अंतर्गत नुगांव ग्राम स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आए और सहायिका द्वारा बनाया गया भोजन खाया, जबकि अनुपस्थित बच्चों ने खुद के बीमार होने की सूचना दी। पिछले साल 21 नवंबर से आंगनवाड़ी केंद्र बंद था, क्योंकि वहां शर्मिष्ठा सेठी नामक एक दलित महिला को सहायिका के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद, अगड़ी जाति के कई परिवारों ने अपने बच्चों को केंद्र में भेजने से इनकार कर दिया था और यहां तक कि गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए सरकार द्वारा आपूर्ति किए गए पौष्टिक खाद्य पदार्थ भी नहीं लिए।

जातिगत विवाद ने देशभर में रोष पैदा कर दिया और यह मामला संसद में भी उठा, जहां कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कार्यस्थल पर जातिगत भेदभाव को लेकर चिंता व्यक्त की। सोमवार को केंद्रपाड़ा बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) दीपाली मिश्रा और राजनगर विधायक धुबा चरण साहू बच्चों का स्वागत करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित थे। सेठी ने कहा, ''मैंने बच्चों को रागी के लड्डू परोसे। बाद में, मैंने चावल और दालमा (सब्जी की करी) बनाई और परोसी। उन्हें खाना खाते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। वे खिलौनों से भी खेले, जिससे केंद्र में फिर से रौनक लौट आई, जो लगभग तीन महीने से वीरान पड़ा था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि अब गांव में जातिगत भेदभाव देखने को नहीं मिलेगा।'' सीडीपीओ मिश्रा ने बताया कि अभिभावकों के साथ आये बच्चे केंद्र में खुश नजर आए।

भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए उन्हें 'असफल वंशवादी' बताया

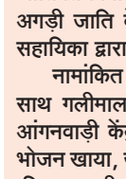

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह एक ''असफल वंशवादी'' हैं क्योंकि न तो उनकी अपनी पार्टी के नेताओं को और न ही उनके सहयोगियों को उन पर कोई भरोसा है। भाजपा ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब कांग्रेस की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजते हुए आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें ''नज़रअंदाज़ किया जा रहा है और प्रदेश इकाई में उन्हें उचित स्थान नहीं दिया जा रहा है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर लिखा, राहुल गांधी पर नहीं है भरोसा। पूनावाला ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस कहती है राहुल को हटाओ, ममता को लाओ, 'इंडी-गठबंधन' को बचाओ। असम के कांग्रेस नेता भूपेन बोरा ने इस्तीफा दिया। मणि (शंकर) अय्यर कहते हैं कि कांग्रेस केरल हारेगी और विजयन जीतेंगे। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या यह समझने के लिए और सबूतों की जरूरत है कि न तो गांधी की अपनी पार्टी के नेता और न ही उनके सहयोगी उन्हें गंभीरता से लेते हैं।

एसआईआर में बड़े पैमाने पर समाजवादी पार्टी के समर्थकों के नाम हटाए गए : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

यादव ने यहां सपा कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठायेगी। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी इस संबंध में मंगलवार को निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन भी सौंपेगी, जिसमें यह अपील की जाएगी कि एसआईआर में जो गड़बड़ियां की गई हैं, उन पर किन नियमों के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए और यदि कोई व्यक्ति गलत काम करने का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद सपा इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएगी।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि फॉर्म-7 के जरिये नाम हटाने की प्रक्रिया सिर्फ बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) द्वारा शुरू की जानी चाहिए, किसी और माध्यम से

नहीं। उन्होंने यह भी मांग की कि विधानसभा चुनाव क्षेत्र, बूथ नंबर और फॉर्म-7 जमा करने वाले व्यक्ति समेत पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि एसआईआर में सपा के समर्थकों के नाम गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सकलडीहा विधानसभा क्षेत्र में 16 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। विश्लेषण करने पर पता लगेगा कि वे पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के हैं। यादव ने आरोप लगाया कि बाबागंज विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 365 पर जाली हस्ताक्षर का हवाला देकर लगभग 100 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने कई मतदाताओं के नाम, उनके बूथ नंबर और उन्हें हटाने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए फॉर्म-7 का विवरण भी पढ़कर सुनाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी कई दिनों से गलत तरीके से हटाए गए नामों के बारे में आंकड़े दे रही है लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने नंदलाल नाम के एक व्यक्ति से जुड़े मामले का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उस शख्स (नंदलाल) ने अंगूठे का निशान लगाया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने फार्म-7 भरने के लिए उससे हस्ताक्षर करवा लिए थे।

संसद में बोलने से 'बचते हैं' मोदी : डेरेक ओ'ब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार को सोमवार को ''खोखले शब्द'' करार दिया और कहा कि वह संसद में बोलने के बजाय ''भाग गए''। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्हें ''टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून'' भी कहा।

ओ'ब्रायन ने साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटीआई-भाषा से कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी यानी 'टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून' के खोखले शब्दों का एक और उदाहरण..., जो संसद में बोलने से कतराते हैं।'' हाल में बजट सत्र के दौरान एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच, लोकसभा ने प्रधानमंत्री के पारंपरिक उत्तर के बिना ही, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को पारित कर दिया।

कांग्रेस से इस्तीफे के बाद भूपेन बोरा के लिए भाजपा के दरवाजे खुले हैं : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दरवाजे उनके लिए खुले हैं।

शर्मा ने यह भी कहा कि अगर बोरा भाजपा में शामिल होते हैं तो वह उन्हें किसी ''सुरक्षित सीट'' से चुनाव जितवाने की कोशिश करेंगे। बोरा ने आज सुबह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा, जिससे असम विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने त्यागपत्र में उन्होंने दावा किया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है। बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष थे और पिछले साल उनकी जगह गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप दी गई। वह असम में दो बार विधायक रह चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि बोरा कांग्रेस में ऐसे ''आखिरी हिंदू नेता'' हैं जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि राजनीति की नहीं है। शर्मा ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, '' उनके इस्तीफे से यह प्रतीकात्मक संदेश मिलता है कि कांग्रेस में किसी सामान्य परिवार का व्यक्ति तरक्की नहीं कर सकता। कांग्रेस आम परिवारों के लोगों को मान्यता नहीं देती। मैं एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से हूं लेकिन भाजपा ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया है। हम कुलीन वर्ग की राजनीति के खिलाफ खड़े हैं।'' शर्मा ने कहा कि वह कल शाम बोरा के आवास पर जाएंगे और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बातचीत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, '' बोरा ने अभी तक मुझसे या भाजपा से संपर्क नहीं किया है और फिलहाल हमारा उनसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संपर्क नहीं है।''

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जैविक लाल चावल पेश किया, परंपरागत खेती पर ज़ोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोमवार को तवांग ज़िले से जैविक लाल चावल 'रक्त' पेश किया। उन्होंने इसे राज्य में पारंपरिक खेती की समझ, विरासत को बचाने और टिकाऊ खेती का प्रतीक बताया। खांडू ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''अरुणाचल प्रदेश के तवांग से प्रीमियम जैविक देसी लाल चावल रक्त चावल को पेश किया गया है।'' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पहल स्थानीय खेती के तरीकों को एक बड़े मंच पर लाती है।

इसके सांस्कृतिक और पोषण महत्व पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह उत्पाद सिर्फ़ खाने की चीज़ नहीं है, बल्कि राज्य की पहचान और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को दिखाता है। इसकी शुरुआत और महत्व पर ज़ोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चावल का उत्पादन और विपणन ग्रेंगखर गांव के पेमा त्सेवांग की पहल, रक्त ऑर्गेनिक करती है। खांडू ने कहा, ''यह पहल हमारी पारंपरिक ऊंचाई वाली खेती की समझ को बड़े बाजार तक पहुंचाती है।'' उन्होंने स्थानीय उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजी-रोटी के मौके पैदा करने की इसकी क्षमता की ओर इशारा किया। इस पहल के बड़े महत्व के बारे में बताते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्पाद सिर्फ वाणिज्यिक सफलता से कहीं ज़्यादा है। उन्होंने कहा, ''यह एक खाद्य उत्पाद से कहीं ज़्यादा, पारंपरिक बीजों की किस्मों और हमारे लोगों की खेती की विरासत को बचाता है,'' उन्होंने राज्य में देसी फसलों को बचाने और टिकाऊ खेती के तरीकों को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया।

सरकार बताए कि व्यापार समझौता बराबरी के आधार पर हुआ या जबदस्ती : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर भारत के हितों को दांव पर लगाने का आरोप लगाया और कहा कि देश इस बात का जवाब मांग रहा है कि यह समझौता बराबरी के आधार पर हुआ है या जबरदस्ती किया गया है।

पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि यह समझौता कई अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को खोल देगा तथा इसमें आत्मनिर्भरता के साथ भी समझौता कर लिया गया है। सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''व्यापार समझौते देश की संप्रभुता को त्याग कर, गुलामी का रास्ता कभी नहीं हो सकते। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में मोदी सरकार ने देश और किसानों की बलि दे दी। भारत की ऊर्जा सुरक्षा से सरेआम खिलवाड़ किया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने जो किया उससे भारत की 'डिजिटल स्वायत्तता और डेटा की निजता' पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि भारतीय हितों की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े होने के बजाय इस मजबूर सरकार ने भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता से समझौता कर लिया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''देश यही सवाल पूछ रहा है कि यह 'मजबूत' सरकार है या 'मजबूर' सरकार? भारत 'आत्मनिर्भर' है या 'अमेरिका-निर्भर' हो गया? मोदी सरकार ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत के हित को दांव पर लगा दिया है।'' उनके मुताबिक, छह फरवरी, 2026 के पहले समझौते के मसौदे में ही सहमति जताई गई है कि भारत बिना किसी आयात शुल्क के अमेरिका के खाद्य व कृषि उत्पादों के लिए हमारा बाजार खोल देगा। सुरजेवाला ने सवाल किया कि अगर भारत में प्रसंस्कृत मक्का, ज्वार, सोयाबीन, फल व अन्य उत्पाद भी आएंगे, तो क्या उनका सीधा प्रभाव भारत की जैविक विविधता और बीज शुद्धता पर नहीं पड़ेगा?

भारत में नहीं दिखाई देगा वलयाकार सूर्यग्रहण का नजारा : वेधशाला

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की चाल मंगलवार को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में खगोल प्रेमियों को वलयाकार सूर्यग्रहण का दृश्य दिखाएगी, हालांकि चार घंटे से अधिक समय तक चलने वाली यह रोमांचक खगोलीय घटना भारत में नजर नहीं आएगी। उज्जैन की एक वेधशाला ने सोमवार को यह जानकारी दी। शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने बताया,भारतीय मानक समय के मुताबिक वलयाकार सूर्यग्रहण की शुरुआत मंगलवार को अपराह्न तीन बजकर 26 मिनट छह सेकंड पर होगी। यह खगोलीय घटना देर शाम सात बजकर 57 मिनट छह सेकंड पर खत्म होगी।'' उन्होंने बताया कि ग्रहण मंगलवार शाम पांच बजकर 41 मिनट नौ सेकंड पर अपनी चरम स्थिति में पहुंचेगा। वेधशाला अधीक्षक के मुताबिक चरमावस्था पर सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा कुछ इस तरह आ जाएगा कि पृथ्वीवासियों को सौरमंडल का मुखिया 96.20 प्रतिशत ढका नजर आएगा और सूर्य एक चमकदार कंगन की तरह दिखाई देगा। गुप्त ने बताया,''भारत में वलयाकार सूर्यग्रहण दिखाई नहीं देगा। यह खगोलीय घटना अर्जेंटीना, चिली, दक्षिण अफ्रीका और अंटार्कटिका में अच्छी तरह निहारी जा सकेगी।''

अक्षर ने चतुराई से पाकिस्तान के बल्लेबाजों को दिया चकमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। पाकिस्तान की पारी के 11वें ओवर की चौथी गेंद के बाद अक्षर पटेल अपनी बाहें फैलाकर चेहरे पर संतोष भरी मुस्कान के साथ खड़े थे। इस भारतीय हरफनमौला ने आईसीसी टी20 विश्व कप में सोमवार को यहां खेले गए ग्रुप ए के अहम मैच में इस गेंद पर पाकिस्तान के सर्वोच्च स्कोरर उस्मान खान (44) को इशान किशन से स्टंप कराया था।

जीत के लिए 176 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही पाकिस्तान की टीम का स्कोर उस्मान के आउट होने के बाद पांच विकेट पर 73 रन हो गया था और इसके साथ ही भारत की जीत लगभग पक्की हो गई थी। मैच के नजरिए से देखें तो इस खब्बू स्पिनर का जश्न इस एहसास का परिणाम था कि उन्होंने लगभग पाकिस्तान की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। इसके पीछे हालांकि आत्मसंतुष्टि की भावना भी छिपी हो सकती है। उस्मान ने अपनी 34 गेंदों की पारी में अक्षर के खिलाफ छह चौके जड़े थे, जिसमें दो मौकों पर लगातार चौके भी शामिल थे। लेकिन उनके आउट होने का क्षण ज्यादा नाटकीय नहीं था। यह गेंद कुलदीप यादव या वरुण चक्रवर्ती की बड़े टर्न के साथ बल्लेबाज को चकमा देने वाली गेंद नहीं थी। अक्षर वैसे भी गेंद को बहुत ज्यादा टर्न कराने की जगह लेंथ में चतुराई से बदलाव कर बल्लेबाजों की परीक्षा लेते हैं।

अक्षर ने उस्मान के आगे बढ़कर खेलने के प्रयास को भांपते हुए अपनी लेंथ हल्की सी पीछे खींची। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने बल्ला घुमाया लेकिन लेकिन गेंद और बल्ले का संपर्क नहीं हुआ और बाकी काम किशन ने स्टंप के पीछे आसानी से पूरा कर दिया। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपनी रणनीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, असल में विकेट पर कुछ गेंदें ज्यादा 'स्कीड' कर रही थीं और कुछ ज्यादा स्पिन ले रही थीं। जब हम दूसरी पारी में गेंदबाजी करने आए तो मैंने महसूस किया कि नई गेंद थोड़ी ज्यादा स्किड कर रही है।'' उन्होंने कहा, '' मेरी योजना यह भांपने की थी कि बल्लेबाज क्या करना चाहता है और किस क्षेत्र में मुझे निशाना बनाना चाहता है। उसके बाद मैं अपनी लाइन या लेंथ बदलता हूं। उस्मान का विकेट तब मिला जब वह आगे बढ़कर खेल रहे थे, इसलिए मैंने फिर अपनी लेंथ पर गेंद डाली। मैं इसी तरह योजना बनाता हूं।अक्षर ने इसके कुछ मिनट पहले ही बाबर आजम की 16 मिनट की संघर्षपूर्ण पारी का भी अंत किया था। बाबर की बड़े शॉट खेलने की बेचैनी को भांपते हुए 32 वर्षीय गेंदबाज ने ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ की गेंद डाली और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान उसके जाल में फंस गए। दबाव कम करने के इरादे से खेला गया उनका आक्रामक स्लॉग स्वीप सीधे विकेट पर पर जा लगा।

अक्षर के बचपन के कोच अमरीश पटेल ने कहा, वह हमेशा बड़े दिल वाला खिलाड़ी रहा है। उसकी सबसे बड़ी ताकत परिस्थितियों को भांप कर उसी मुताबिक योजना लागू करने की है। उसे अपनी ताकत और सीमा के बारे में पता है। यह किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण गुण है।

सुविचार

जिंदगी में सबसे खूबसूरत पौधा विश्वास का होता है जो धरती में नहीं दिल में लगाया जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फर्जी धमकियों का असली मकसद

इन दिनों देश के विभिन्न शहरों में स्कूलों और संस्थानों को बम की धमकी के जो ईमेल मिल रहे हैं, उनसे संबंधित स्थानों पर अफरा-तफरी मच रही है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। साल 2024 में भी ऐसी धमकियां बहुत मिली थीं। यह सिलसिला आज तक जारी है। इनका तरीका भी लगभग एक जैसा है। प्राय: स्कूलों को ईमेल भेजकर दहशत फैलाने की कोशिश की जाती है। इन धमकियों के बाद स्कूल परिसर खाली कराए जाते हैं, पुलिस और बम निरोधक दस्ते के अधिकारी जांच करते हैं, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलता है। हो सकता है कि ये ईमेल किसी आतंकवादी संगठन ने भेजे हों या किसी खुराफाती की शरारत हो। सवाल है- इनके निशाने पर स्कूल क्यों हैं? स्कूलों में बड़ी संख्या में शिक्षक और बच्चे होते हैं। जब उन्हें पता चलता है कि स्कूल को ऐसी धमकी मिली है तो डर का माहौल बनता है। वे अपने घर जाते हैं तो परिवार के सदस्यों, दोस्तों और पड़ोसियों को भी बताते हैं। इससे डर और ज्यादा फैलता है। लोग सोचते हैं कि 'आतंकवादियों पर किसी का नियंत्रण नहीं है, वे कुछ भी कर सकते हैं।' यही इन धमकियों का मकसद है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को डराना, उनके बीच आतंकवाद से संबंधित चर्चा को बढ़ावा देना - यही तो वे चाहते हैं। ये धमकियां भेजने के लिए ईमेल पता तलाशना कोई मुश्किल काम नहीं है। आजकल हर बड़े स्कूल की वेबसाइट होती है। अगर वह न हो तो सोशल मीडिया पेज जरूर होता है। किसी दूर देश में बैठकर वहां ईमेल पता मालूम करना और उस पर धमकी भेजना मुश्किल काम नहीं है। स्कूल, प्रशासन और मीडिया को एक बात समझनी होगी। जब कभी किसी स्कूल को धमकी मिलती है तो उसके द्वारा सूचना पुलिस को भेजी जाती है। यह बात स्कूल के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों तक भी पहुंचती है। कुछ समय बाद पुलिस आ जाती है। तब तक मामला समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर छा जाता है।

जब विदेश में कहीं बैठकर आतंकवादी या खुराफाती लोग ये खबरें पढ़ते होंगे तो क्या सोचते होंगे? वे निश्चित रूप से हंसते होंगे। वे कहते होंगे कि 'भारत में दहशत फैलाना बहुत आसान है। सिर्फ एक ईमेल करना है और हम टीवी से लेकर सोशल मीडिया तक सब जगह छा जाएंगे!' इस चक्र को तोड़ना होगा। इन धमकियों का सिलसिला अभी बंद होने वाला नहीं है। ऐसी हर धमकी को गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर जैसा माहौल बनता है, उससे बचना चाहिए। इसके लिए स्कूल और प्रशासन में संवाद होना चाहिए। जिस स्कूल के पास ऐसा ईमेल आए, वह प्रशासन को सूचना दे, लेकिन शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ जानकारी साझा करते हुए संयम बरते। परिसर को खाली कराते समय बच्चों को धमकी के बारे में न बताएं। शिक्षकों और कर्मचारियों से भी कहें कि वे घबराहट में कोई प्रतिक्रिया न दें। हर स्कूल को महीने में एक-दो बार भूकंप, अग्नि सुरक्षा आदि के लिए अभ्यास करना चाहिए। पुलिस अधिकारियों को बुलाकर साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों का पालन जैसे विषयों पर चर्चा की जा सकती है। सावधानी बरतना अपनी जगह ठीक है। इससे डर का माहौल पैदा नहीं होना चाहिए। जब लोगों में डर फैलता है तो आतंकवादियों और खुराफाती तत्त्वों का दुस्साहस बढ़ता है। वे अगली बार दुगुनी ऊर्जा से नए ईमेल पते खोजते हैं और धमकियां भेजते हैं। उसके बाद जब मामला चैनलों और सोशल मीडिया पर आता है तो उन्हें लगता है कि यह तरीका काम कर रहा है। इस पर विराम लगाने के लिए स्कूल, प्रशासन और मीडिया को संयम से काम लेना होगा। सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता, लेकिन अपनी सूझबूझ से देशविरोधी तत्त्वों के मंसूबों को नाकाम जरूर किया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

टी20 विश्व कप 2026 में आज टीम इंडिया ने सिर्फ मैच नहीं जीता, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का विश्वास और दिल भी जीत लिया। आपकी हर गेंद में जुनून, हर रन में आत्मविश्वास और हर पल में भारत की शान झलकती रही।

-भजनलाल शर्मा

खैरथल-तिजारा के भिवाड़ी में एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हुए दर्दनाक हादसे में आठ लोगों की मृत्यु एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है।इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

-सचिन पायलट

भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में हुई अत्यंत त्रासद दुर्घटना से मन विचलित है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जीवन की सार्थकता

एक बार दो गांवों के बीच पानी को लेकर विवाद छिड़ गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से तलवारें खिंच गईं। सौभाग्य से तभी वहां एक संत का आगमन हुआ। लोगों को झगड़ते देख उन्होंने पूछा, 'आप लोग आपस में क्यों झगड़ रहे हो?' लोगों ने बताया, 'पानी के लिए।' संत ने पूछा, 'पानी का क्या मूल्य है?' जवाब मिला, 'कुछ भी नहीं।' संत ने अगला सवाल किया, 'क्या वह बिना मूल्य मिल सकता है?' गांव वालों ने कहा, 'पानी बिना मूल्य ही हर जगह मिलता है।' तब संत ने पूछा, 'मनुष्य के जीवन का क्या मूल्य है?' दोनों ओर से उत्तर मिला, 'वह तो आंका ही नहीं जा सकता। जीवन तो अनमोल है।' संत ने कहा, 'तब क्या वह अनमोल जीवन साधारण पानी के लिए नष्ट करना उचित है?' संत की दलील सुनकर सभी चुप हो गए। तब संत ने कहा, 'शत्रुओं में अशत्रु होकर जीना की सबसे बड़ा कौशल है। वैर को अवैर से जीतो।

सामयिक

परिवर्तन की दहलीज पर बांग्लादेश

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

दक्षिण एशिया की राजनीति में समय-समय पर ऐसे मोड़ आते रहे हैं जो केवल किसी एक देश के सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे क्षेत्र की कूटनीतिक दिशा और सामाजिक मनोविज्ञान को प्रभावित करते हैं। बांग्लादेश में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों और उसके बाद तारिक रहमान के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह घटना केवल एक राजनीतिक दल की जीत या एक नेता के उदय का प्रसंग नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर का संकेत है जिसमें जनता की आकांक्षाएँ, लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों की नई व्याख्या सामने आ सकती है। वर्षों तक राजनीतिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष से गुजरने के बाद यह परिवर्तन उस समाज की बेचैनी और उम्मीदों दोनों को प्रतिबिंबित करता है।

तारिक रहमान का राजनीतिक सफर स्वयं बांग्लादेश के हालिया इतिहास का एक प्रतीकात्मक प्रतिबिंब रहा है। एक ऐसे परिवार में जन्म लेने के कारण जहाँ राजनीति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थी, उन्होंने सत्ता के निकट रहकर अवसर भी देखे और विवादों का सामना भी किया। भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते देश छोड़ना और लंबे समय तक विदेश में रहना उनके जीवन का वह अध्याय रहा जिसने उन्हें आलोचना और सहानुभूति दोनों दिलाई। निर्वासन के वर्षों में उन्होंने पार्टी के भीतर रणनीतिक भूमिका निभाई, जिससे यह धारणा बनी कि वे भले ही भौगोलिक रूप से दूर हों, लेकिन राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं। जब परिस्थितियाँ बदलीं और वे वापस लौटे, तो उनकी वापसी केवल व्यक्तिगत पुनर्स्थापना नहीं थी, बल्कि उनके समर्थकों के लिए एक प्रतीकात्मक पुनरागमन था - एक ऐसा क्षण जिसमें वे स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत कर सके।

2024 के जनआंदोलन ने बांग्लादेश की राजनीति में जो उथल-पुथल पैदा की, उसने सत्ता संरचना को बदलकर रख दिया। लंबे समय तक प्रभावशाली रही अवामी लीग को सत्ता से हटना पड़ा और इससे राजनीतिक रिक्तता उत्पन्न हुई। इस रिक्तता को भरने के लिए जो चुनाव हुए, उनमें मतदाताओं की भागीदारी और परिणामों ने स्पष्ट संकेत दिया कि जनता परिवर्तन की आकांक्षा रखती है। यह परिवर्तन कितना स्थायी या प्रभावी होगा, यह भविष्य के शासन पर निर्भर करेगा, लेकिन तत्कालीन परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया अभी भी जनता के लिए अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है। चुनावों में विपक्ष की अनुपस्थिति या सीमित भागीदारी पर सवाल भी उठे, परंतु इसके बावजूद यह घटना राजनीतिक शक्ति संतुलन में निर्णायक बदलाव के रूप में दर्ज हुई।

तारिक रहमान की जीत के साथ उनके सामने जो जिम्मेदारियाँ आई हैं, वे केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि नैतिक और संस्थागत भी हैं। एक ऐसे देश में जहाँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अक्सर वैचारिक से अधिक व्यक्तिगत संघर्ष में बदल जाती रही है, वहाँ लोकतांत्रिक विश्वास बहाल करना सबसे बड़ी चुनौती है। कानून-व्यवस्था की मजबूती, न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करना केवल नीतिगत निर्णयों से नहीं बल्कि शासन की विश्वसनीयता से भी जुड़ा होता है। जनता के लिए परिवर्तन का अर्थ केवल नेतृत्व बदलना नहीं बल्कि जीवन की परिस्थितियों में ठोस सुधार देखना है। यदि नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह सत्ता परिवर्तन इतिहास में सकारात्मक मोड़ के रूप में दर्ज होगा; अन्यथा यह भी अस्थायी राजनीतिक उतार-चढ़ाव की श्रेणी में शामिल हो सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण आयाम भारत-बांग्लादेश संबंधों से भी जुड़ा है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक निकटता, ऐतिहासिक अनुभव और आर्थिक साझेदारी लंबे समय से संबंधों को आकार देते रहे हैं। सत्ता परिवर्तन के साथ यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि नई सरकार इन संबंधों को किस दिशा में ले जाएगी। भारत द्वारा प्रतिनिधि भेजकर शपथ समारोह में भागीदारी जताना कूटनीतिक निरंतरता का संकेत है, वहीं नई सरकार द्वारा संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की इच्छा एक नए संवाद की संभावना खोलती है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे केवल द्विपक्षीय समझौतों का विषय नहीं बल्कि लाखों लोगों के जीवन से जुड़े प्रश्न हैं। इसलिए इन पर होने वाला संवाद आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद उत्पन्न राजनीतिक विमर्श भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन के साथ आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक संघर्ष सामने आते हैं, परंतु दीर्घकालीन स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता संस्थागत मर्यादा के भीतर रहे। यदि नई सरकार अपने विरोधियों को केवल राजनीतिक पराजित मानने के बजाय लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा समझे, तो इससे राजनीतिक वातावरण में संतुलन आ सकता है। वहीं यदि प्रतिशोध की भावना हावी होती है, तो इससे सामाजिक विभाजन गहरा सकता है। यह संतुलन साधना किसी भी नए नेतृत्व के लिए सबसे कठिन परीक्षा होती है।

तारिक रहमान का शपथ ग्रहण इस मायने में प्रतीकात्मक भी है कि यह परंपराओं से अलग आयोजन के रूप में सामने आया है। स्थान और स्वरूप में परिवर्तन को केवल औपचारिक बदलाव के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक संकेत के रूप में भी देखा जा सकता है। ऐसे प्रतीक अक्सर जनता के मन में नए अध्याय की अनुभूति पैदा करते हैं। हालाँकि वास्तविक परिवर्तन प्रतीकों से आगे बढ़कर नीतियों और क्रियान्वयन में दिखाई देता है। इसलिए यह क्षण जितना आशा का है, उतना ही सावधानी से मूल्यांकन का भी है।

दक्षिण एशिया का इतिहास बताता है कि राजनीतिक परिवर्तन अक्सर भावनात्मक ऊर्जा से भरे होते हैं, परंतु उनकी सफलता प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक समावेशन पर निर्भर करती है। बांग्लादेश ने आर्थिक विकास, शिक्षा और सामाजिक सूचकांकों में पिछले दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना किसी भी सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। साथ ही वैश्विक आर्थिक दबाव, जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे ऐसे हैं जिनसे निपटने के लिए संतुलित कूटनीति और दूरदर्शी नीतियों की आवश्यकता होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तारिक रहमान का सत्ता में आगमन केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि एक संभावनाओं से भरा क्षण है। इसमें उम्मीद भी है और अनिश्चितता भी, समर्थन भी है और आलोचना भी। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि वह किसी भी परिवर्तन को अंतिम सत्य नहीं मानता, बल्कि उसे निरंतर संवाद और मूल्यांकन की प्रक्रिया का हिस्सा बनाता है। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह नया अध्याय किस दिशा में आगे बढ़ता है, परंतु फिलहाल यह घटना उस क्षेत्रीय राजनीति की धड़कन को सुनने का अवसर देती है जहाँ जनता, नेतृत्व और पड़ोसी देश मिलकर इतिहास की अगली पंक्तियाँ लिखते हैं।

नजरिया

जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। साझे प्रयासों से ही एआई का सकारात्मक लाभ हम उठा सकते हैं। वरना हमारी सुविधा के लिए बनी तकनीक हमारे लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

रोहित माहेश्वरी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जहां दुनिया को तेज और स्मार्ट बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने भी गंभीर चिंता पैदा कर रखी है। डीपफेक वीडियो, फर्जी तस्वीरें और एआइ जनित भ्रामक सामग्री न केवल लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि साइबर ठगी और सामाजिक भ्रम का कारण भी बन रही हैं। इन खतरों को मध्य में रखकर केंद्र सरकार की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में किए गए हालिया संशोधन को डिजिटल दुनिया में बढ़ती चुनौतियों के बीच एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है। आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब एआई से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। नए प्रावधानों के तहत एआई कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय कंपनियों के लिए साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ी चुनौती है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल, जैसे कि चैटजीपीटी की मदद से नकली आधार और पैन कार्ड बनाए जा सकते हैं। इस रिपोर्ट ने एआई के संभावित दुरुपयोग की क्षमता के बारे में नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

एक नए सर्वे में 51 फीसदी बिजनेस लीडर्स ने इसे प्राथमिक जोखिम माना। 'फिक्की-ईवाय रिस्क सर्वे 2026' की रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। इसमें डिजिटल युग के बढ़ते खतरों पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी जोखिम अब सीधे कंपनी के कामकाज से जुड़ गए हैं। सर्वे के अनुसार, 61 फीसदी लोग साइबर हमलों से डरे हुए हैं। डेटा चोरी और धोखाधड़ी को 5% फीसदी ने बड़ा जोखिम माना। लगभग 4% फीसदी कंपनियां इन आधुनिक खतरों से निपटने में नाकाम हैं। साइबर हमलों से कंपनियों की प्रतिष्ठा और वित्त पर असर पड़ता है। डिजिटल बदलाव कंपनियों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। यह सर्वे 13% सीईओ और सीनियर डिसीजन-मेकर्स पर आधारित है। इसमें 21 फीसदी प्रतिभागी टेक्नोलॉजी सेक्टर से थे। प्रोफेशनल सर्विसेज दूसरे नंबर पर।

साइबर अटैक अब सिर्फ आईटी मुद्दा नहीं। यह ऑपरेशनल कंटिन्यूटी से जुड़ा है। 61फीसदी लीडर्स मानते हैं कि साइबर हमले वित्तीय और रेपुटेशनल खतरा हैं। तेज टेक्नोलॉजिकल बदलावों को 61फीसदी कंपनियां प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाला मान रहे हैं। सर्वे के अनुसार, आज के दौर में एआइ एक 'दोधारी तलवार' बन गया है। करीब 60 फीसदी विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी पिछड़ापन घातक है। सही समय पर नई तकनीक न अपनाना नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, 54 फीसदी लोग एआइ के एथिकल और गवर्नेंस संबंधी जोखिमों से चिंतित हैं। इन जोखिमों का प्रबंधन अभी भी प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है। ग्लोबल साइबरपीस समिट 2026 में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार 2024-2025 के दौरान दर्ज साइबर हमलों में एआई और ऑटोमेशन का व्यापक इस्तेमाल देखने को मिला है। अब साइबर अपराधी किसी छोटे गैंग की तरह नहीं, बल्कि कंपनियों की तरह संगठित ढांचे में काम कर रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और भारत के कुछ हिस्सों से संचालित ये नेटवर्क अलग-अलग विभागों में बंटे हुए हैं। इन गिरोहों के पास भर्ती करने वाली टीम, वेतन और प्रमोशन देखने वाले लोग और यहां तक कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट यूनिट भी होती है। ये टीमें टेक्नोलॉजी की कमियों और इंसानी व्यवहार की कमजोरियों को खोजकर उनका फायदा उठाती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में साइबर अपराध से दुनिया को लगभग 10.8 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान था, जो इस साल करीब 12 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। कई अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों का दावा है कि अब लगभग 80 प्रतिशत साइबर हमलों में किसी न किसी रूप में एआई की भूमिका है। एआई का इस्तेमाल अब डीपफेक तकनीक में भी हो रहा है। डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में अपराधी किसी प्रसिद्ध पुलिस अधिकारी का चेहरा और आवाज नकली तरीके से दिखाकर पीड़ित को डराते हैं जिससे वह खुद को असली अधिकारी से बात करते हुए समझता है। साइबर अपराध में अब ट्रिपल एक्सटॉर्शन मॉडल भी सामने आया है। इसमें पहले रैनसमवेयर से डेटा लॉक किया जाता है फिर उसे लीक करने की धमकी देकर पैसे वसूले जाते हैं। इसके अलावा क्राइम-एस-ए-सर्विस का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है। इसमें संगठित गिरोह उन लोगों को भी अपराध की सुविधा देते हैं जिनके पास तकनीकी जानकारी नहीं होती। यानी पैसे दो और तैयार साइबर क्राइम सेवा लो। इस तरह के मामलों में कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तक ठगी का शिकार हो चुके हैं। साफ है कि एआई ने साइबर अपराध को पहले से कहीं ज्यादा संगठित तेज और खतरनाक बना दिया है।

वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के तो कई तरीके मौजूद हैं, लेकिन इन्हें किस हद तक इस्तेमाल में लाया जाना चाहिए, इसके लिए नियम-कानूनों का अभाव है। हमारा देश और दुनिया भी एआई के बढ़ते कदमों और उसके प्रभावों को लेकर गंभीर है। इसी क्रम में दिल्ली के भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आगाज हो रहा है। 20 फरवरी तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुनिया की 300 से ज्यादा कंपनियां भविष्य की तकनीक दिखाएंगी। खेती से लेकर सेहत तक, एआई आपकी जिंदगी को कैसे आसान बनाएगा, इसकी पूरी झलक यहां देखने को मिलेगी। आईटी के नए नियमों का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि अब एआई से बने कंटेंट को छिपाना आसान नहीं रहेगा। लेबलिंग व डिजिटल पहचान चिह्न से आम व्यक्ति यह समझ सकेगा कि उसके सामने मौजूद सामग्री वास्तविक है या तकनीक से तैयार की गई है। इससे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक अभियानों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। चुनाव, सामाजिक मुद्दों और संवेदनशील घटनाओं के दौरान यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी सुरक्षित रखने में सहायक होगी, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। इन तमाम बातों के बीच सवाल यह भी है कि सिर्फ नियम-कायदे बनाना ही काफी नहीं, बल्कि इन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है।

वैसे भी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की संख्या और कंटेंट की मात्रा इतनी अधिक है कि केवल नियमों के सहारे नियंत्रण करना आसान नहीं होगा। इसके लिए तकनीकी निगरानी तंत्र को मजबूत करना, प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करना और उल्लंघन की स्थिति में त्वरित दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। क्योंकि यदि नियमों का पालन ढीला रहा, तो इनका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। लोगों को यह समझना होगा कि हर वायरल वीडियो या तस्वीर सत्य नहीं होती।

जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। साझे प्रयासों से ही एआई का सकारात्मक लाभ हम उठा सकते हैं। वरना हमारी सुविधा के लिए बनी तकनीक हमारे लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत में शिखर सम्मेलन एआई के पूर्ण लाभों को प्राप्त करने का 'अहम अवसर' : ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि सोमवार से भारत में शुरू होने जा रहे 'एआई इम्पैक्ट समिट' में ब्रिटेन का ध्यान इस बात को रेखांकित करने पर रहेगा कि कृत्रिम मेधा (एआई) किस प्रकार विकास को गति दे सकती है, नए रोजगार सृजित कर सकती है, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार कर सकती है और किस प्रकार दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचा सकती है। उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी और एआई मंत्री कनिष्क नारायण के नेतृत्व में ब्रिटेन का प्रतिनिधिमंडल इस बात पर प्रकाश डालने के लिए उत्सुक है कि एआई दुनिया के हर कोने में रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बेहतर बना सकता है और एक नवीनीकरण इंजन के रूप में यह किस तरह डॉक्टरों को तेजी से निदान करने, शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण प्रदान करने, परिषदों को मिनटों में सेवाएं प्रदान करने और व्यवसायों को अगली पीढ़ी के अच्छे रोजगार सृजित करने में मदद कर सकता है। लैमी ने शिखर सम्मेलन से पहले जारी एक बयान में कहा, '' यह शिखर सम्मेलन यह निर्धारित करने का एक महत्वपूर्ण क्षण है कि हम एआई के पूर्ण लाभों और क्षमता को उजागर करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर कैसे काम कर सकते हैं...।'' विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसआईटी) ने कहा कि भारत और ब्रिटेन ''स्वाभाविक प्रौद्योगिकी साझेदार हैं, और इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा विप्रो जैसी दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनियां ब्रिटेनभर में अपना विस्तार कर रही हैं।वेल्स से भारतीय मूल के पहले सांसद नारायण ने कहा, ''एआई हमारी पीढ़ी की निर्णायक तकनीक है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि यह सभी के लिए लाभदायक हो।'' एआई मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन ''अग्रणी भूमिका निभा रहा है, एआई के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है जो दुनिया भर के लोगों को अधिक सीखने, अधिक कमाने और अपनी शर्तों पर भविष्य को आकार देने में मदद करता है''। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से एकमत हैं कि ब्रिटेन और भारत के लोग केवल दूसरों द्वारा विकसित की जा रही एआई को देखें ही नहीं, बल्कि स्वयं एआई का निर्माण करें और उससे सीधे लाभ भी उठाएं।'' दिल्ली के अलावा, नारायण बेंगलूरु की यात्रा भी करेंगे ताकि यह देखा जा सके कि भारत और ब्रिटेन अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी के लाभ प्राप्त करने के लिए किस प्रकार मिलकर काम कर रहे हैं। डीएसआईटी ने कहा कि दोनों देश अत्याधुनिक अनुसंधान में करोड़ों डॉलर का निवेश कर रहे हैं – बेहतर बैटरी और ग्रामीण समुदायों के लिए अगली पीढ़ी के दूरसंचार से लेकर दुर्लभ बीमारियों से निपटने में सक्षम जीनोमिक मेडिसिन तक।विभाग ने कहा कि भारत आम तौर पर ब्रिटेन के व्यवसायों के लिए भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है और ब्रिटेन की कंपनियां भारत में अपने कारोबार से 47.5 अरब पाउंड से अधिक का राजस्व अर्जित करती हैं।

दिल्ली वाले चिड़ियाघर में 500 रुपए में एक दिन के लिए जानवर को ले सकते हैं गोद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के लोग अगले महीने से राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में किसी जानवर को एक दिन के लिए गोद लेकर अपना जन्मदिन, शादी की सालगिरह या अन्य खास मौके मना सकेंगे। पशु को गोद लेने की संशोधित योजना के तहत छोटे जानवरों के लिए शुल्क 500 रुपए से शुरू होगा, जबकि बाघ को एक दिन के लिए गोद लेने के लिए 50,000 रुपए देने होंगे।

इस योजना के तहत, पशु को गोद लेने वालों को चिड़ियाघर द्वारा निर्धारित लागत वहन करनी होगी, जिसका उपयोग जानवर के भोजन और दैनिक देखभाल के लिए किया जाएगा। चुने गए पैकेज के आधार पर, व्यक्ति को स्मृति चिन्ह के रूप में प्रमाण पत्र और तस्वीरें भी मिलेंगी। चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार ने कहा कि जानवरों को अल्पकालिक रूप से गोद लेने की व्यवस्था शुरू करने के प्रस्ताव को इस महीने के अंत तक मंजूरी मिलने की संभावना है, जिसके बाद यह पहल मार्च से शुरू की जाएगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक दिन के लिए गोद लेने की लागत प्रत्येक जानवर की वार्षिक गोद लेने की दर के आधार पर तय की गई है। कुमार ने कहा, यदि किसी जानवर को गोद लेने की वार्षिक लागत 50,000 रुपए है, तो उसे एक दिन के लिए गोद लेने का शुल्क लगभग 500 रुपए होगा।

संशोधित दरों के अनुसार, चित्तिदार हिरण को गोद लेने की वार्षिक लागत 18,000 रुपए है, और उसे एक दिन के लिए 500 रुपए में गोद लिया जा सकता है। इसी प्रकार, स्लॉथ बियर को गोद लेने की वार्षिक दर 45,000 रुपए है और उसे भी एक दिन के लिए 500 रुपए में गोद लिया जा सकेगा।

कुमार ने बताया कि बाघ को गोद लेने की वार्षिक लागत छह लाख रुपए है, जो एक दिन के लिए लगभग 50,000 रुपए होती है। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर इस योजना को अधिक सुलभ बनाने के लिए अल्पकालिक और ऑनलाइन गोद लेने के विकल्प पेश कर रहा है, जो पहले पूरी तरह से ऑफलाइन थे, खासकर उन व्यक्तियों के लिए जो पूरे वर्ष के लिए किसी जानवर को गोद नहीं ले सकते हैं।

शांत रहें व नौकरी बचाने के लिए एआई उपकरणों का इस्तेमाल सीखें

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) से नौकरियों पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों ने कर्मचारियों को साफ संदेश दिया है कि ''शांत रहें और अपने कौशल को लगातार बढ़ाएं।'' उन्होंने कहा कि एआई की लहर के साथ बने रहने के लिए ताउम्र सीखते रहने की क्षमता जरूरी है और अगले तीन से पांच वर्ष में एआई के और विकसित होने के साथ कार्यबल में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

'एआई के दौर में रोजगार का भविष्य' विषय पर आयोजित सत्र में उद्योग जगत के लोगों ने माना कि कुछ मौजूदा नौकरियां अप्रासंगिक हो सकती हैं, लेकिन कृत्रिम मेधा नई रोजगार संभावनाएं भी उत्पन्न करेगी और कर्मचारियों को यह पहचानना होगा कि वे किन कौशलों को निखार सकते है।

'इन्फो एज' (जिसके अंतर्गत नौकरी डॉट कॉम आता है) के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने बैंकों में कंप्यूटर आने के समय का उदाहरण देते हुए कहा, '' तब किसी की नौकरी नहीं गई, बल्कि उत्पादकता बढ़ गई।''

एआई अपनाने से नौकरियां जाने के सवाल पर बिखचंदानी ने युवाओं से कहा, '' नीति की चिंता मत करें। यह सोचें कि आप ऐसा क्या करें ताकि एआई, आपकी नौकरी न छीने बल्कि आपको नौकरी दिलाने में मदद करे।'' उन्होंने युवाओं को उपयोगी एआई उपकरण सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, '' एआई आ चुका है और यह रुकने वाला नहीं है। अगर आप एआई का इस्तेमाल नहीं करेंगे, तो आपके लिए एआई का रास्ता बंद हो जाएगा। अगले तीन महीनों में कम से कम तीन एआई मंचों का इस्तेमाल सीखने का लक्ष्य तय रखें। जितना ज्यादा आप सीखेंगे, आपकी नौकरी उतनी ही सुरक्षित रहेगी।''

प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गजों ने पेशेवरों को एआई उपकरणों को अपनाने और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप खुद को ढालने की सलाह दी, ताकि बदलते रोजगार बाजार में प्रासंगिक बने रह सकें।

रवानगी

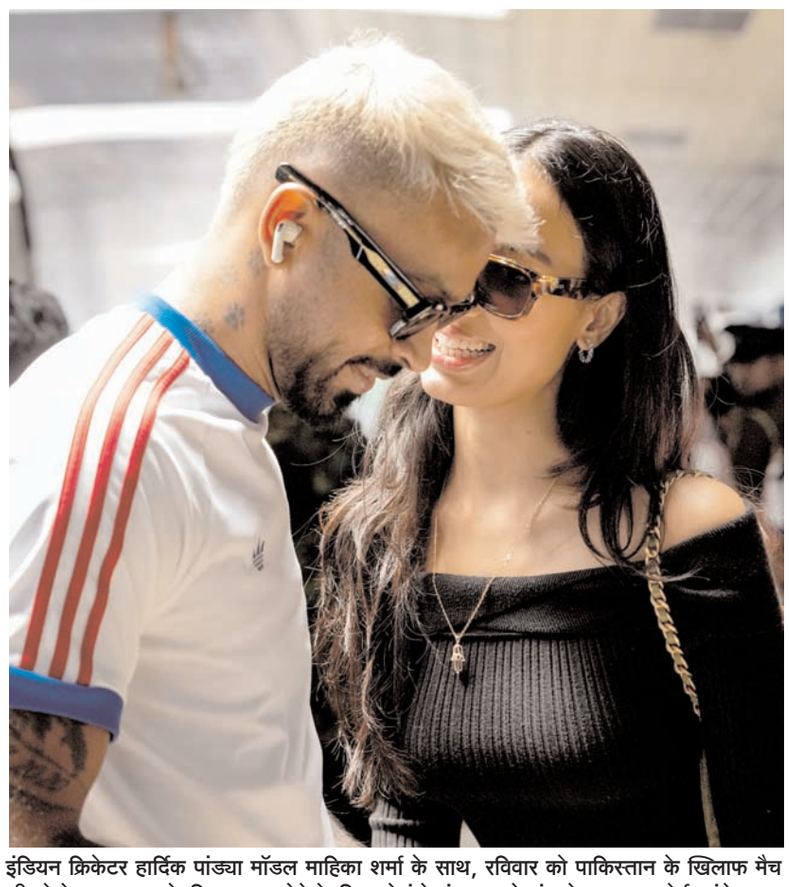

इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पांड्या मॉडल माहिका शर्मा के साथ, रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीतने के बाद भारत के लिए रवाना होने के लिए कोलंबो भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे।

लारा दत्ता ने महेश भूपति संग अपने रिश्ते को बताया 'आग और हवा' का मेल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री लारा दत्ता पूर्व टेनिस प्लेयर महेश भूपति के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन जी रही हैं। सोमवार को कपल ने शादी के 15 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर लारा ने इंस्टाग्राम के जरिए पति महेश को शुभकामनाएं दीं। लारा ने महेश के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश और रोमांटिक नजर आ रहे हैं। लारा ने लिखा, 15 साल, मैं आग और वो हवा। मैं चिंगारी लगाती हूं, तो वे उसे और भड़का देते हैं, और हैरानी की बात ये है कि अब तक हमने घर नहीं जलाया। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि इतने सालों में दोनों ने एक-दूसरे को प्रोफेशनल तरीके से परेशान करना, ऐसे लड़ना जैसे कोई खेल हो, यह दिखाना कि हम बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, और फिर भी हर दिन एक-दूसरे को ही चुनना सीखा है।

अभिनेत्री की पोस्ट फैंस और उनके दोस्तों को काफी पसंद आ रही है। कई यूजर्स उनके मजाकिया अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता गजराव ने हार्ट इमोजी के साथ शानदार प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात एंटरटेन्मेंट और स्पोर्ट्स को लेकर एक बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई थी। काम के सिलसिले में दोनों के बीच दोस्ती हुई थी और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। 9 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने पहले 16 फरवरी 2011 को सिविल मैरिज की और उसके बाद गोवा में क्रिश्चियन रस्मों के साथ शादी की। इस जोड़े की एक बेटी सायरा भूपति है। अभिनेत्री लारा जल्द ही फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, दिशा पटानी, रवीना टंडन, फरदीन खान समेत अन्य स्टार्स प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

चेक बाउंस केस में एक्टर राजपाल यादव को राहत, दिल्ली हाई कोर्ट ने सज़ा पर लगाई अंतरिम रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में अभिनेता राजपाल यादव की सज़ा पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने राहत देते हुए कहा कि रेस्पोंडेंट के बैंक अकाउंट में 1.5 करोड़ रुपये जमा करा दिए गए हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए सज़ा पर अस्थायी रोक लगाई जा रही है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि सज़ा पर रोक कुछ शर्तों के साथ दी गई है। राजपाल यादव को 1 लाख रुपये का पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही राशि की एक श्योरिटी जमा करनी होगी। इन शर्तों के पालन के बाद उन्हें राहत प्रदान की गई है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, राजपाल यादव 18 मार्च तक कस्टडी से बाहर रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित की गई है, जब अदालत इस पर विस्तृत सुनवाई करेगी। यह मामला चेक बाउंस से जुड़ा है, जिसमें निचली अदालत ने अभिनेता को सज़ा सुनाई थी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया था।अब सभी की नजर 18 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी है, जहां इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला : छह आरोपियों को 25 तक की रिमांड, आरोपी पक्ष के वकील ने दी दलील

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर हुई फायरिंग मामले में लगातार बड़े अपडेट्स आ रहे हैं। सोमवार सुबह ही मुंबई क्राइम ब्रांच ने शूटर दीपक चंद्र की गिरफ्तारी राजस्थान से की और उसके साथ 5 अन्य आरोपियों को भी पकड़ा था, लेकिन अब पुलिस के हत्थे विष्णु कुशवाहा नाम का एक और आरोपी चढ़ा है जिसे पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सोमवार को क्राइम ब्रांच ने 6 आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 25 फरवरी तक की रिमांड ली है। क्राइम ब्रांच को शक है कि ये सभी आरोपी बड़े गिरोह के कहने पर काम कर रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में जतिन रमेश भारद्वाज (22 साल), सोनू कुमार (20 साल), दीपक रमेश चंद्र (25 साल), विशाल ठाकुर (19 साल), सनी कुमार राकेश कुमार (23 साल), और ऋतिक विनोद सिंह यादव (24 साल) का नाम सामने आया है। गिरफ्तारी के बाद शूटर दीपक चंद्र ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक शूटर दीपक चंद्र घटना को अंजाम देने के बाद मौके से भाग गया था। घटना को अंजाम देने के लिए आरोपी दीपक के साथ सोनू कुमार और सन्नी कुमार थे। इन तीन आरोपियों को फायरिंग के बारे में पता था और बाकी तीन आरोपियों ने घटना को अंजाम देने में मदद की थी।

आरोपी ने यह भी कबूला कि सह-आरोपी विशाल ठाकुर, जतिन भारद्वाज और ऋतिक विनोद सिंह यादव को फायरिंग की जानकारी नहीं थी। जतिन भारद्वाज, दीपक चंद्रा का चचेरा भाई है, जिससे दीपक ने आने-जाने के लिए 1,500 रुपए लिए थे। फायरिंग के बाद, दीपक और सोनू आगरा में उस फैक्ट्री में रुके, जहां ऋतिक विनोद सुपरवाइजर है। जांच में पता चला है कि दीपक और सोनू आगरा से नोएडा में विशाल के घर पर रुके थे।

आरोपी पक्ष के वकील दिलीप शुक्ला ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पुलिस ने दीपक रमेश चंद्र को मेन शूटर बताया है और उसके साथ ऋतिक, विशाल और सोनू की गिरफ्तारी की। लेकिन हमने कोर्ट के सामने पक्ष रखा कि ऋतिक, विशाल और सोनू का घटना से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि पुलिस के पास कोई डायरेक्ट सबूत नही हैं। पुलिस ने गिरफ्तारी इसलिए की है, क्योंकि सभी दोस्त हैं और घटना स्थल के कुछ ही दूरी पर मौजूद थे और आरोपी को रुकने में मदद की। ऋतिक को लगा कि उसके दोस्त वेकेशन पर हैं। कोर्ट ने हमारे पक्ष को सुना और आगे की जांच में इन पहलुओं पर भी ध्यान देने की बात कही है।

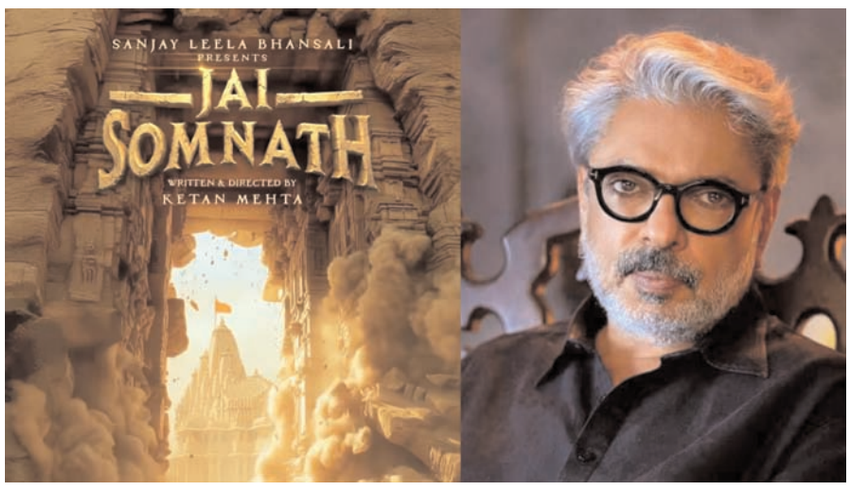

अब पर्दे पर दिखेगा सोमनाथ मंदिर का इतिहास, संजय लीला भंसाली बनाएंगे फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'बाजीराव मस्तानी', 'राम लीला', और 'ब्लैक' जैसी फिल्में बनाने वाले संजय लीला भंसाली नई पीरियड ड्रामा फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर फिर से दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इस बार फिल्म कोई लव स्टोरी या युद्ध नहीं है, बल्कि सनातन धर्म पर हुए प्रहार और आस्था को बचाने वाले लोगों के खून से लिखी गई है। निर्देशक ने अपकमिंग फिल्म 'जय सोमनाथ' की पहली झलक शेयर की है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े होना तय है। केतन मेहता के निर्देशन में बन रही 'जय सोमनाथ' की पहली झलक मेकर्स ने रिलीज कर दी है। वीडियो में पहले सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त होते हुए दिखाया गया है, लेकिन फिर धूल के पीछे नए सोमनाथ मंदिर की झलक दिख रही है। वीडियो से साफ है कि इस बार भंसाली प्रोडक्शन में बन रही फिल्म इतिहास को दोबारा जिंदा कर देगी। वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा गया, मंदिर तोड़ा जा सकता है, लेकिन आस्था को नहीं। संजय लीला भंसाली प्रस्तुत करते हैं- 'जय सोमनाथ,' निर्देशन- केतन मेहता।

फिल्म 2027 में रिलीज होगी, लेकिन अभी तक फिल्म की स्टारकास्ट और रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है। बता दें कि साल 10251026 ईस्वी में भारत पर कई बार आक्रमण करने वाले गजनवी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर को निशाना बनाया था और मंदिर के शाही खजाने को खाली कर दिया था।

गजनवी यहीं नहीं रुका, उसने मंदिर को नुकसान पहुंचाया और शिवलिंग को खंडित करने की कोशिश की, लेकिन यह मंदिर सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन धर्म के उस हौंसले का प्रतीक है, जो गिरकर दोबारा खड़े होने की ताकत रखता है। इसी साल मंदिर के विध्वंस को 1000 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर पूरे देश में सोमनाथ के इतिहास और महिमा की व्याख्या की गई थी।

भंसाली की फिल्म भी पर्दे पर दोबारा इतिहास के पन्ने पलटने के लिए तैयार है। 'जय सोमनाथ' के अलावा, संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' भी आ रही है जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट दोनों लीड रोल में हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। कहा जा रहा है कि फिल्म 2026 के अंत में रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना ने फिल्म 'छावा' के एक साल पूरे होने पर भावपूर्ण नोट लिखा

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी फिल्म 'छावा' की रिलीज के एक साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण नोट लिखा और इसे एक विशेष फिल्म बताया।लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 फरवरी, 2025 को रिलीज हुई थी और दिनेश विजन ने अपने प्रोडक्शन बैनर मैडॉक फिल्म्स के तहत इसका निर्माण किया था। इसमें विक्की कौशल ने मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म 'एनिमल' की अभिनेत्री ने शनिवार शाम को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म 'छावा' की कई तस्वीरें साझा कीं और साथ में एक संदेश भी लिखा। उन्होंने लिखा, आज पुरानी यादों में खो गई... यह कितनी खास फिल्म थी... मैं सचमुच बहुत आभारी हूं! दीनू सर, लक्ष्मण उतेकर सर, विक्की कौशल और पूरी मैडॉक फिल्म्स टीम को बहुत सारा प्यार... धन्यवाद। फिल्म में अक्षय खन्ना, विनीत कुमार सिंह और संजीव जायसवाल ने भी भूमिका निभाई। फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। रश्मिका मंदाना की नवीनतम फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' है, जो नवंबर 2025 में रिलीज हुई थी। राहुल रविंद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में धीक्षित शेट्टी और अनु इमानुएल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। इसके बाद वह शाहिद कपूर और कृति सैनन के साथ 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

अब लीक से हटकर फिल्में नहीं बन रही : तापसी पन्नू

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री तापसी पन्नू का मानना है कि अब महिला प्रधान और लीक से हटकर फिल्में नहीं बन रही हैं क्योंकि ऐसी कहानियों के लिए दर्शकों का समर्थन नहीं मिल रहा है।मुख्यधारा और लीक से हटकर दोनों तरह के सिनेमा में सहजता से संतुलन बनाए रखने वाली पन्नू ने एक भरोसेमंद कलाकार के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है और थप्पड़, मुल्क व पिंक जैसे कई फिल्मों में दमदार अभिनय किया है।अभिनेत्री के अनुसार, लीक से अलग कहानियों को बड़े पर्दे पर उतारने की लड़ाई और भी कठिन हो गई है।पन्नू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''ऐसी फिल्में विलुप्ती की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों की तरह हो गई हैं। मेरा अभिप्राय 'अस्सी' जैसी फिल्मों से है। हमारे तथाकथित व्यावसायिक सिनेमा का एक निश्चित ढांचा है जिसका हम पालन करते हैं और हम उस ढांचे में पारंपरिक रूप से फिट नहीं बैठते।''

पन्नू की नई फिल्म ''अस्सी'' है। इसके निर्माता अनुभव सिन्हा हैं। पन्नू से सिन्हा के साथ 2018 में आई फिल्म मुल्क और 2020 की थप्पड़ में भी काम किया था। अभिनेत्री ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि लीक से हटकर बनने वाली फिल्में केवल डिजिटल मंच पर ही अपनी जगह बना पाएंगी। उन्होंने कहा कि 'स्ट्रीमिंग' मंच ने अपना ध्यान बड़े पैमाने पर दर्शकों को लुभाने पर केंद्रित कर दिया है। पन्नू ने कहा, असलियत यह है कि लोग सोचते हैं कि इस तरह की फिल्में ओटीटी पर आती रहेंगी और हम उन्हें देखते रहेंगे। लेकिन नहीं, ओटीटी मंच भी इस तरह की फिल्में नहीं चाहते। वे केवल उन्हीं फिल्मों को चुनते हैं जो सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही हों। पन्नू ने कहा, ''वे सिनेमाघर के दर्शकों को अपने मंच पर लाना चाहते हैं। वे कहते हैं, 'हमारे पास पहले से ही इस तरह के दर्शक हैं, हम अपने देश के उन लोकप्रिय मसाला फिल्मों के दर्शकों को अपने मंच से जोड़ना चाहते हैं।' इसीलिए मैं कहती हूं कि अगर लोगों को यह एहसास नहीं हुआ कि हमें इसे देखना चाहिए तो लीक से हटकर बनने वाली फिल्में विलुप्त हो जाएंगी। कभी-कभी वास्तविकता देखना भी अच्छा होता है। सिनेमा की तुलना विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से करते हुए अभिनेत्री (38) ने कहा कि जहां एक ओर व्यावसायिक सिनेमा मुगलई की अपनी अपील है, वहीं उद्योग को दाल चावल जैसी कहानियों की भी आवश्यकता है: ऐसी कहानियां जो रोजमर्रा की वास्तविकता पर आधारित हों।

श्याम सेवा संघ के 401 भक्तों ने श्याम मंदिर में अर्पण किए निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्याम सेवा संघ द्वारा रविवार को चतुर्थ फागण महोत्सव व निशान यात्रा का आयोजन किया गया। बनरघट्टा रोड पर स्थित श्रीदेवी मुकाम्बिका मन्दिर में बाबा श्याम का दरबार सजाया गया, भजन कीर्तन के आयोजन के साथ फूलों एवं इत्र की होली खेलते हुए निशान पूजा की गई।

तत्पश्चात बड़ी संख्या में भक्तों ने निशान अपने हाथों में लेकर झूमते नाचते गाते, बाबा के जयकारा लगाते हुए पैदल यात्रा करते हुए निशान यात्रा में भक्तों द्वारा 401 निशान बाबा श्याम को अर्पित किए गए।

इस वार्षिकोत्सव में सहयोग देने के लिए श्याम मंदिर कमेटी को संघ की आयोजन समिति ने धन्यवाद दिया।

कर्नाटक बिहारी समाज ने बेंगलूरु दक्षिण व पूर्व में फैलाएं अपने पंख

बैठक में पदाधिकारियों के चयन पर रहा जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक बिहारी समाज द्वारा बेंगलूरु दक्षिण अंचल की बैठक रविवार को जयप्रकाश नगर स्थित संजय सिंह के निवास पर हुई तथा उसी दिन शाम को बेंगलूरु पूर्व अंचल की बैठक एमआर काम्प्लेक्स कितग्नूर में आयोजित हुई। इन दोनों बैठकों का संचालन करते हुए प्रो. विनय कुमार यादव ने बिहारी समाज को एकत्रित एवं संगठित होने के लिए कई बातें कहीं। इस बैठक में उदय सिंह ने बेंगलूरु दक्षिण व पूर्व में बिहारी समाज के पदाधिकारी बनाने पर बल दिया ताकि क्षेत्रीय बिहारी समाज अपने क्षेत्र में संगठित होकर कार्य करे, और कर्नाटक बिहारी समाज अपने उद्देश्य में सफलता हासिल करे। दक्षिण अंचल की इस बैठक में संजय सिंह, दिनेश चौहान, विजय पांडेय आदि उपस्थित थे। मुख्य वक्ता उदय सिंह ने संगठन के महत्व और आवश्यकता पर विस्तार से अपना विचार प्रकट किया। उन्होंने कहा जो लोग बिहार से कर्नाटक आ गए हैं और यहां रहते हुए कुछ समय बीत गया है तो फिर वे वापस लौटकर बिहार नहीं जाएंगे। विशेष रूप से उनके बच्चे जिनका जन्म यही कर्नाटक में हुआ है वे तो कभी बिहार जाने को तैयार नहीं होंगे।

ऐसी परिस्थिति में हम सब यही रह जाएंगे, इस आवश्यकता को पहचानते हुए कर्नाटक में हम सभी बिहारियों को संगठित होकर अपने भविष्य को बेहतर बनाना होगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा पर बल दिया। उपस्थित लोगों ने कर्नाटक बिहारी समाज की स्थापना का करतल ध्वनि से समर्थन किया और इससे जुडकर काम करने का आश्वासन दिया। बैठक में बेंगलूर पूर्व अंचल की जिम्मेदारी गोपाल यादव के नेतृत्व मे सूर्यदेव सिंह, मुकेश कुमार, वीके श्रीवास्तव और ओमप्रकाश पाण्डेय को सौंपी गई। अंत में गोपाल यादव ने धन्यवाद दिया।

अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता वाग्विभूति आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के क्रिस्तु जयंती (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय) के मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय के हिंदी अध्ययन विभाग द्वारा 'विश्व हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में अंतर विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता 'वाग्विभूति' का आयोजन किया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पीडी ने सभी का स्वागत किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जैन विश्वविद्यालय के सहप्राध्यापक एवं संयोजक डॉ. भंवर सिंह शक्तावत ने हिंदी की समृद्ध साहित्यिक परंपरा और उसकी वैश्विक संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और संवेदना की अभिव्यक्ति है। मानविकी संकाय के अध्यक्ष डॉ. गोपाकुमार ए. वी. ने कहा कि हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति, साहित्य और सामाजिक समरसता की सशक्त वाहक है।

इस अंतर विश्वविद्यालयीन महोत्सव में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने आशुभाषण(वाग्मी), स्वरचित कविता वाचन (सृजन), देशभक्ति गीत गायन(गुंजन), भाषण प्रतियोगिता (अभिव्यक्ति), विज्ञापन लेखन (सूक्ति), एकल अभिनय (रूपक), समूह चर्चा (सत्संग), नुक्कड़ नाटक (प्रहसन),पटकथा लेखन (दर्पण) तथा लघु वीडियो निर्माण (चित्रांश) जैसी विविध विधाएँ की प्रतियोगिताओं में भाग लिया। समूह चर्चा में कृत्रिम बुद्धिमता(एआई)के फायदे और नुकसान जैसे समसामयिक विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ, वहीं नुक्कड़ नाटक और गीत प्रस्तुतियों ने सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थी सिमरन कुशवाहा ने किया तथा विद्यार्थी पावनी शेट्टी ने धन्यवाद दिया।

दादा जिनकुशलसूरी गुरुदेव का स्वर्गारोहण दिवस कार्यक्रम आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । पचास हजार नूतन जैन निर्माता दादाश्री जिनकुशलसूरी गुरुदेव का 693वां स्वर्गारोहण दिवस कार्यक्रम मंगलवार को बसवनगुड़ी स्थित विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी में मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व मुकुलप्रभ प्रभसागरजी की निश्रा में वरघोड़ा प्रातः 9 बजे विमलनाथ जिनालय दादावाड़ी बसवनगुड़ी से प्रारम्भ होकर पुनः वहीं पहुंचेगा। तत्पश्चात गुरुदेव गुणानुवाद सभा, दोपहर में दादा गुरुदेव पूजा होगी। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा गुरु पूजा कराई जाएगी। रात्रि में गुरुदेव की भक्ति भावना में संगीतकार महेन्द्र बागरेचा, सिमंधर स्वामी जैन संगीत मंडल, जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल और संगीत महिला मंडल द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इस कार्यक्रम के लाभार्थी पन्नालाल पारख परिवार जन है।

'धन निवेश प्रबंधन' के विषय पर ब्यावर संघ ने आयोजित किया कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ द्वारा एक होटल में 'धन निवेश प्रबंधन' पर चर्चा हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्यावर संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज की विषम परिस्थितियों में जहां शेयर बाजार, सोने, चांदी के भावों में बहुत ही उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, ऐसी परिस्थितियों में अपने धन को सही समय पर सही दिशा में कहां निवेश किया जाए इस हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम को मुख्य वक्ता दीपेश मेहता ने संबोधित किया और युवा और व्यापारी वर्ग को सही निवेश के तरीके, उनके फायदे व रिस्क की जानकारी दी। उन्होंने भारत की बढ़ती हुई जीडीपी को देखते हुए कहा कि भारत एक सौ चालीस करोड़ लोगों का उभरता हुआ बाजार है जहां व्यवसाय और निवेश के बहुत ही ज्यादा अवसर पैदा हो रहे हैं।

कार्यक्रम के प्रायोजक रणजीत कुमार, दीपेश कुमार मेहता का सम्मान संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री रूपचंद कुमट, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री विनय राठौड़, विजय सिंघवी, युवा अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, महिला विंग के चन्द्रकला डाकलिया, सीमा बोहरा ने किया।

मित्र मंडल के 'महाशिवरात्रि महोत्सव' में सजी 'भगवान शिव पार्वती' की विशेष झांकी

भजन गायकों ने मधुर भजनों से रिझाया भगवान भोलेनाथ को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मित्र मंडल के तत्वावधान में रविवार को महाशिवरात्रि के मौके पर शाम 6.30 बजे से 'महाशिवरात्रि महोत्सव' का आयोजन ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। इस महोत्सव में मंडल की ओर से 'भगवान शिवपार्वती की परिक्रमा करते हुए भगवान गणेश' की मनोरम झांकी सजाई गई। कार्यक्रम में आयोजित भजन संध्या में बनारस से आईं भजन गायिका पुष्पा बनर्जी, बेंगलूरु के हरिकिशन सारड़ा व हैदराबाद के रघुवीर तिवारी ने एक से बढ़कर एक अच्छे भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बेंगलूरु के जाने माने भजन गायक निरंजन सारड़ा अस्वस्थ होते हुए भी उपस्थित हुए और उन्होंने भजनों की प्रस्तुति भी दी, जिसे सभी ने खूब सराहा। अध्यक्ष रामेश्वरलाल पंचारिया ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत किया। मंत्री कमल लिल्हा व उनके सहयोगियों ने विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

किया ने बजट से पहले मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आयोजित बजट संबंधित बैठक में कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के प्रतिनिधियों ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकार कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर किया के अध्यक्ष महावीरचंद मेहता एवं उपाध्यक्ष अक्षिन सेमलानी ने बैठक में भाग लिया और बजट के पहले चर्चा की। ज्ञापन में बीबीएमपी के ट्रेड लाइसेंस को समाप्त करने, इनरवियर एवं नाइटवियर उद्योग के लिए अलग से औद्योगिक हब विकसित करने, उचित दाम पर औद्योगिक भूखंड उपलब्ध कराने, जीएसटी की दर को कम करने व इनरवियर उद्योग को नाप तोल नियमों से मुक्त करने का निवेदन किया है।

तारिक रहमान आज बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में महत्वपूर्ण आम चुनावों में अपनी पार्टी बीएनपी को शानदार जीत दिलाने के बाद तारिक रहमान देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में मंगलवार को शपथ लेंगे। लंबे समय से चली आ रही एक परंपरा को तोड़ते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान (60) का शपथ ग्रहण समारोह बंगभवन के बजाय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जाएगा।सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन मंगलवार दोपहर को जातीय संसद के साउथ प्लाजा में नए मंत्रिमंडल सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। जातीय संसद सचिवालय की सचिव कनीज मौला ने बीएसएस को पहले बताया था, ''संसद सचिवालय में कल शाम चार बजे नए मंत्रिमंडल सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले सांसद सुबह 10 बजे जातीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में शपथ लेंगे।''रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे।सूत्रों के अनुसार, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह के भी बिरला के साथ उपस्थित रहने की संभावना है।

महाशिवरात्रि पर चलगट्टा में गूंजे बाबा भोलेनाथ के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जय महादेव युवा संघ केंगेरी उपनगर द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को आई माता चामुंडेश्वरी मंदिर चलगट्टा में 15वां महाशिवरात्रि वार्षिकोत्सव 'एक शाम भोलेनाथ के नाम' का आयोजन किया गया। राजस्थान से आए भजन कलाकार महावीर सांखला ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी तथा 'ओम नमः शिवाय व हर हर महादेव' के जय घोष से वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि भले ही आज के दिन हम भगवान शिव को बेलपत्र न अर्पित कर पाएं या दुग्ध अभिषेक न कर पाएं लेकिन हमारे मन में जो बुराइयां छुपी हुई हैं उनको शिव के चरणों में अर्पित कर दें तो शिव हमारी सभी मनोकामनाएं पूरी करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मनीष मुंडवा ने किया। संघ के सदस्यों एवं विभिन्न समाज के प्रमुखों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

बजट से पहले 'खागा' ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विधानसभा में सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को ज्ञापन सौंपा। प्रकाश भोजानी व मंत्री कैलाश बालर द्वारा तैयार किया गया ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आयोजित बजट संबंधित बैठक में कर्नाटक गारमेन्ट व होजरी एसोसिएशन (खागा) के प्रतिनिधियों ने खागा की ओर से पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, पहाड़सिंह राजपुरोहित ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर खागा के अध्यक्ष ज्ञापन में राज्य और केंद्र सरकार से टैक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट इंडस्ट्री के लिए एक राहत पैकेज देने की, जीएसटी दरों को कम करने, जीएसटी सालाना रिटर्न फाइलिंग के सरलीकरण, चिकपेट में मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने, प्रोफेशनल टैक्स को खत्म करने, ई-वे बिल की सीमा को बढ़ाने संबंधित अनेक मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।

मुरादाबाद में काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन की क्लास 12 की परीक्षा देने से पहले स्टूडेंट्स एक एग्जाम सेंटर के बाहर आखिरी समय में तैयारी करते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**